www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 213 || लखनऊ
बुधवार
04 नवंबर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com
दैनिक
तमसा संकेत
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:17
सूर्यास्तः 05:21
अधिकतमः 31°00
न्यूनतमः 18°00

पेज 07

विशेष समाचार | पंजाब की सियासत में 'कमल' ... >>पेज 04 | पांच एसडीएम के कार्यक्षेत्र ... >>पेज 06 | इंदौर में दिलजीत के कॉन्सर्ट में बम ...

प्रदर्शन एक का नहीं ■ सबका अधिकार ■ रोजगार-कारोबार का ध्यान रखना भी जरूरी

एक जगह अनिश्चितकाल तक धरना नहीं दे सकते : सुप्रीम कोर्ट

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि कोई भी संगठन प्रदर्शन के लिए किसी सार्वजनिक जगह पर अनिश्चित-काल तक कब्जा नहीं कर सकता। प्रदर्शन के लिए निर्धारित स्थलों पर भी एक तय समय-सीमा होनी चाहिए, ताकि दूसरे संगठनों को भी अपनी बात रखने का मौका मिल सके।

>> (शेष पेज 06 पर)

■ दिल्ली के कनॉट प्लेस में 10 अक्टूबर को सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर जुटे प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने हिरासत में लिया था।

"मेहता ने कहा कि प्रदर्शनकारियों ने बिना अनुमति संसद की ओर मार्च भी किया। संसद देश की संप्रभुता का प्रतीक है। बिना अनुमति संसद या सुप्रीम कोर्ट तक मार्च करने की इजाजत नहीं दी जा सकती। उन्होंने कहा कि जो संगठन बंद या प्रदर्शन का आह्वान करता है, उसे उसके परिणामों की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए।

व्यापारियों ने कहा- त्योहारों में 2000 करोड़ का नुकसान

सुनवाई के दौरान दिल्ली के व्यापारिक संगठनों की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट मुकुल रोहतगी ने कहा कि प्रदर्शनों के कारण दिल्ली में कारोबार बुरी तरह प्रभावित हुआ है। त्योहारों के सीजन में दुकानें बंद रहीं और बिक्री घट गई। उन्होंने दावा किया कि कारोबारियों को करीब 2,000 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। अगर त्योहारों के सीजन में बिक्री नहीं होगी तो व्यापारियों और उनसे जुड़े लोगों को भारी नुकसान होगा। उन्होंने कोर्ट से अगले दो महीने तक किसी भी तरह के प्रदर्शन या धरने पर रोक लगाने की मांग की।

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा आप हमेशा के लिए किसी जगह पर कब्जा नहीं कर सकते। वहां किसान, पत्रकार, मजदूर और दूसरे प्रदर्शनकारी कहां जाएंगे? सभी को प्रदर्शन करने का अधिकार है। जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच दिल्ली में अक्टूबर में हुए उएउ ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शनों से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। इनमें प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई, लोगों की हिरासत, निगरानी (सर्विलांस), प्रदर्शन स्थलों और कारोबारियों को हुए नुकसान से जुड़े मामले शामिल हैं।

ड्राफ्ट लिस्ट में नाम नहीं तो फॉर्म-6 भरें

केस नहीं होगा, चुनाव आयोग ने दूर किया कन्फ्यूजन

सफाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने SIR को लेकर फैली कन्फ्यूजन पर बड़ी सफाई दी है। आयोग ने मंगलवार को सभी राज्यों के चुनाव अधिकारियों को लेटर लिखकर कहा कि जिन मतदाताओं का नाम SIR की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में नहीं है, वे फॉर्म-6 भरकर दोबारा नाम जुड़वा सकते हैं, भले ही वे पहले से रजिस्टर्ड वोटर रहे हों।

स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन में 2025-26 में बिहार, दिल्ली समेत 30 राज्यों में 13 करोड़ से ज्यादा नाम ड्राफ्ट रोल से हटाए गए।

इसके पीछे वोटर्स का गैरमौजूद होना, दूसरी जगह चला जाना, मौत होना या फिर डुप्लिकेट पहचान पत्र होने जैसे कारण शामिल थे।

चुनाव आयोग ने माना कि कई लोगों को डर था कि फॉर्म 6 में लिखना पड़ता है कि मेरा नाम पहली बार वोटर लिस्ट में जोड़ा जा रहा है। ऐसे में पहले से रजिस्टर वोटर को लगता था।

फास्ट न्यूज

नेपाल में लैंडिंग के दौरान 2 हेलिकॉप्टर टकराए

काठमांडू। नेपाल के एवरेस्ट क्षेत्र में मंगलवार सुबह लैंडिंग के दौरान दो हेलिकॉप्टर आपस में टकरा गए। हादसे में एक भारतीय पर्यटक की मौत हो गई, जबकि न्यूजीलैंड का एक भारतीय मूल का नागरिक घायल हो गया। शुरुआती रिपोर्टों के मुताबिक, दोनों हेलिकॉप्टरों के रोटर ब्लेड आपस में टकराए थे।

इंडिगो फ्लाइट में इमरजेंसी दरवाजे से छेड़छाड़

पुणे। दिल्ली से पुणे जा रही इंडिगो की फ्लाइट में सोमवार को पैसेंजर ने इमरजेंसी दरवाजे के लीवर से छेड़छाड़ की। इससे उड़ान के दौरान अलार्म बज गया और यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। यह घटना फ्लाइट 6E6884 में हुई। पुलिस के मुताबिक, यात्री गौरव सत्येंद्र रौतेला (33) पुणे का रहने वाला है और इमरजेंसी दरवाजे के पास बैठा था। फ्लाइट ने सोमवार रात करीब 12.45 बजे दिल्ली से उड़ान भरी थी। यह करीब 2 बजे पुणे पहुंची।

भारत ने पहली बार एक लॉन्चर से 2 मिसाइलें दागीं

नई दिल्ली। 500 किलोमीटर तक मार करने वाली यह मिसाइल दुश्मन के अलग-अलग ठिकानों को निशाना बना सकती है। इसे क्वासी-बैलेस्टिक मिसाइल कहा जाता है, क्योंकि यह उड़ान के दौरान अपना रास्ता भी बदल सकती है।

विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे, सीधे मुख्यमंत्री बनेंगे : अखिलेश

यह मेरे लिए शुभ, पिछली बार भी लोकसभा से आकर शपथ ली थी

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को काशी से यूपी विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा ऐलान किया। संवाददाता के सवाल पर उन्होंने कहा- मैं मानता हूं कि काशी के लोग बड़े धार्मिक हैं। शुभ समय क्या है या खराब समय क्या है, उन चीजों का बहुत ज्ञान रखते हैं। हम मुख्यमंत्री तब बनते हैं, जब चुनाव नहीं लड़ते। इसलिए वही काम करेंगे जो हमारे लिए शुभ होगा। उन्होंने पूछा- पिछली बार कहां से मुख्यमंत्री बना था बताओ? लोकसभा से... तो इसलिए लोकसभा से आकर सीधे शपथ लूंगा। अखिलेश 15 मार्च, 2012 को पहली बार यूपी के मुख्यमंत्री बने थे।

>> (शेष पेज 06 पर)

■ काशी में अखिलेश का पार्टी कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया।

■ पूर्व जिला उपाध्यक्ष राजेश कुमार यादव उर्फ नत्थू को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद अखिलेश यादव ने मीडिया से बातचीत की। उन्होंने भाजपा पर जमकर निशाना साधा।

उज्ज्वला लाभार्थियों के लिए 1500 करोड़ की सब्सिडी बांटी, आत्मनिर्भरता के लिए महिलाओं को भी मिलेगा बड़ा पैकेज

महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन के लिए सरकार जल्द लाएगी विशेष पैकेजः योगी

तोहफा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/ नई दिल्ली। सीएम योगी ने मंगलवार को उज्ज्वला योजना की 1.89 करोड़ महिला लाभार्थियों को दिवाली का तोहफा दिया। लोकभवन में मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर के लिए 1500 करोड़ की सब्सिडी बांटी। योगी ने महिलाओं और किसानों के लिए बड़ी घोषणा की। उन्होंने कहा- बारिश, बाढ़ और सूखा से किसानों की फसल को भारी नुकसान हुआ है। नुकसान का मुआवजा दिया जा रहा है, लेकिन सरकार तीन करोड़ किसान परिवारों के लिए जल्द ही एक अलग विशेष आर्थिक पैकेज लेकर आएगी। साथ ही महिलाओं को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने के लिए भी सरकार एक बड़ा पैकेज ला रही है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने अवधी भाषा में भाषण दिया। महिलाओं को देख बोले- हमारी जिज्जी, बिटिया, बहनी और आपा भी आई हैं। लक्ष्मी जी कमल पर बैठकर दीपावली में आती हैं। कभी सुना है मोटर या फटफटिया पर आई हों। भाजपा गरीबों की सरकार है। अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए डिप्टी सीएम ने कहा- पहले ऊ रहे। आप लोग टैक्स का पैसा भरो, ऊ सैफई में नाच देखते थे। 35-50 लाख रुपए बंबई के कलाकार को लुटाया जाता था। सरकारी खजाने से पैसा निकाला जाता था। गरीब घर में चूल्हा में रोटियां बनती थीं। सीएम ने कहा- बाजार में एक रसोई गैस सिलेंडर की कीमत लगभग 983.45 रुपए है। इसमें से मोदी सरकार 335.40 रुपए की सब्सिडी पहले ही देती है। आम तौर पर उपभोक्ता को जेब से 648.55 रुपये खर्च करने पड़ते हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

"अंत में सीएम योगी ने कहा- त्योहार का असली आनंद तभी है जब समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के चेहरे पर भी मुस्कान हो। 1.89 करोड़ परिवारों को दीपावली की ढेर सारी शुभकामनाएं।

मंडी और श्रमिक अड्डों पर शुरू होंगे 'अन्नपूर्णा भोजनालय'

गरीबों और मजदूरों के लिए सुविधाओं का दायरा बढ़ाते हुए सीएम ने बड़ा ऐलान किया कि सरकार अब 'अन्नपूर्णा भोजनालय' योजना शुरू करने जा रही है। इसकी शुरुआत मंडी समितियों से की जाएगी, ताकि अपनी फसल बेचने आने वाले किसानों को महज नाममात्र के टोकन मनी पर पेट भरकर सम्मानजनक और ताजा भोजन मिल सके। निर्माण श्रमिकों (मजदूरों) के लिए 'श्रमिक अड्डों' पर सस्ते भोजन की व्यवस्था होगी। सीएम ने यह भी याद दिलाया कि बीओसी (BOC) बोर्ड के तहत गरीब मजदूरों के बच्चों को मुफ्त वर्ल्ड-क्लास शिक्षा देने के लिए राज्य में 'अटल आवासीय विद्यालय' सफलतापूर्वक चलाए जा रहे हैं।

योगी के भाषण की बड़ी बातें

'पहले 50 हजार की घूस, अब फ्री कनेक्शन'

पूर्ववर्ती सरकारों (खासकर कांग्रेस कार्यकाल) पर हमला बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा- 2014 से पहले देश में रसोई गैस का एक कनेक्शन पाना किसी पहाड़ खोदने जैसा काम था। एक कनेक्शन के लिए लोग 25,000 से 50,000 रुपए तक ब्लैक में देने को मजबूर थे। नेताओं और अफसरों के चक्कर काटने पड़ते थे। 1 मई 2016 को प्रधानमंत्री मोदी ने यूपी के बलिया जिले से ही 'उज्ज्वला योजना' की शुरुआत की थी। मोदीजी ने माताओं-बहनों के चूल्हे के धुएं से होने वाले आंसुओं को देखा और तय किया कि हर गरीब घर तक मुफ्त गैस कनेक्शन पहुंचेगा। आज उसी का नतीजा है कि उत्तर प्रदेश के करोड़ों घरों में धुआंमुक्त रसोई है।

'वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट गवाह, 46 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए'

सीएम योगी ने हाल ही में आई वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट का जिक्र करते हुए केंद्र और राज्य सरकार की आर्थिक नीतियों की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा- 2014 के पहले देश में आए दिन कॉमनवेल्थ घोटाला, 2G घोटाला और कोल घोटाला सुनने को मिलता था। नौजवान बेरोजगार थे, किसान परेशान थे और गरीब भूख से तंग आ चुके थे। लेकिन 2014 के बाद देश में सुशासन आया। वर्ल्ड बैंक के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, भारत में 46 करोड़ से ज्यादा लोग गरीबी रेखा के नीचे (BPL) से उबरकर एक सामान्य और खुशहाल जिंदगी जीने में सक्षम हुए हैं।

तूफान मुरासु का केंद्र आंध्र प्रदेश से आगे बढ़ा

12 घंटे तक तेज हवाओं-बारिश का अलर्ट

अलर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

हैदराबाद/भुवनेश्वर/अमरावती/चेन्नई। आंध्रप्रदेश के तट से टकराया चक्रवाती तूफान मुरासु तेलंगाना की ओर चला गया है। राहत की बात ये है कि इसकी तीव्रता 100 किमी प्रति घंटा से कम होकर 50 किमी प्रतिघंटा हो गई है।

मुरासु सोमवार रात करीब 1 बजे आंध्र प्रदेश के तट से टकराया था। इस दौरान 120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। तेज हवाओं से हजारों पेड़ उखड़ गए और बिजली के सैकड़ों खंभे क्षतिग्रस्त हो गए। कई नावों को भी नुकसान पहुंचा। भारी बारिश से आंध्रप्रदेश के तटीय शहरों में सड़कें डूब गईं और हाईवे पर वाहन फंस गए। सड़क हादसों में 2 लोगों की मौत हो गई। मंगलवार को विजयवाड़ा, विशाखा-पट्टनम, तिरुपति और चेन्नई एयरपोर्ट से 30 डॉमेस्टिक फ्लाइट्स रद्द रहीं।

>> (शेष पेज 06 पर)

■ हजारों पेड़-बिजली के पोल गिरे, दो की मौत।

ब्रजेश पाठक बोले- विपक्षी नेता भड़काएंगे, आप कमल का बटन दबा देना

ब्रजेश पाठक ने कहा- दिवाली की तैयारी शुरू हो गई होगी। आज भाषण देने नहीं, बल्कि महिलाओं से बातचीत करने आया हूं। उन्होंने कहा, "लक्ष्मी जी कमल पर बैठकर दीपावली में आती हैं। कभी सुना है कि मोटर या फटफटिया पर आई हों? भाजपा गरीबों की सरकार है।" पाठक ने पिछली सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले जनता टैक्स देती थी और सरकार सैफई में नाच देखने पर पैसा खर्च करती थी।

चैलेंज : जगह-जज आप चुनिए, शाह बोले- किसी भी मुद्दे पर बहस को तैयार, संसद चलने दीजिए

मोदी जी देश विरोधी कौन, बहस कीजिए : राहुल

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने फिर पीएम मोदी को बहस का चैलेंज दिया है। उन्होंने मंगलवार को सोशल मीडिया पर 1.50 मिनट के वीडियो में कहा, '24 घंटे हो गए मोदी जी। मैंने आपको चैलेंज दिया है। आप कहते हो कि विपक्ष देशद्रोही है। किसी भी स्टेज पे आप जगह चुनिए, डिबेट कीजिए मेरे साथ।' उधर, गृहमंत्री अमित शाह ने कहा, 'मैं कहना चाहता हूं कि नरेंद्र मोदी सरकार हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है, संसद चलने दो। हम विशेष सत्र बुलाकर SIR पर चर्चा के लिए तैयार हैं।' राहुल ने कहा, 'बाकी चीजों पे आपने डिफेमेशन केस लगा रखा है।

>> (शेष पेज 06 पर)

"राहुल ने कहा- देशद्रोही कौन है? विदेशी फोर्सेस का कनेक्शन किसका है? और किस प्रकार का कनेक्शन है? जल्दी से जल्दी कीजिए, डरिए मत। सवाल उठेंगे फाइनेंशियल सिस्टम पर, फाइनेंशियल स्ट्रक्चर पर, वर डील कैसे हुई, क्यों हुई, इतनी जल्दी क्यों हुई, सिर्फ आपने क्यों की, कैबिनेट को क्यों नहीं बताया, अडाणी का केस बंद क्यों हुआ, एपस्टीन - ऐसी बहुत सारी चीजें हैं जिस पर खुलकर डिस्कशन होगा। आ जाइए, डरिए मत।

राहुल अब तक 4 बार पब्लिकली बहस की चुनौती दे चुके

- **अगस्त 2018- राफेल पर:** कर्नाटक के बेलगाम में जनध्वनि रैली में - मोदी जी और मेरे बीच राफेल पर बहस करा दो, मैं घंटों बोलूंगा।
- **जनवरी 2019 - राफेल पर 20 मिनट वाली बहस का चैलेंज:** लोकसभा में - मुझे PM के साथ 20 मिनट वन टु वन बहस करने दो, US प्रेसिडेंशियल डिबेट की तरह। साथ ही कहा था कि PM में हिम्मत नहीं है।
- **अप्रैल 2019- भ्रष्टाचार पर:** मेनिफेस्टो लॉन्च के बाद और फिर 7 अप्रैल को - मोदी के एक इंटरव्यू के बाद ट्वीट किया - आप भाग सकते हैं, लेकिन छिप नहीं सकते, मैं आपको भ्रष्टाचार पर बहस की चुनौती देता हूं।
- **2024 चुनाव से पहले - पूर्व जस्टिसों का चैलेंज:** राहुल समेत विपक्ष ने पूर्व जजों (मदन लोकुर, एपी शाह) के जरिए PM को लेटर लिखकर नेशनल सिक्योरिटी, अडानी, इलेक्टोरल बॉन्ड पर डिबेट को कहा था, जिसे PMO ने इग्नोर किया।

पहले गरीबी खत्म करने के वादे होते थे : मोदी

अब जमीनी स्तर पर काम हो रहा, ₹21 हजार करोड़ की पुणे मेट्रो परियोजनाओं का उद्घाटन किया

अलर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश की कई पीढ़ियों ने गरीबी खत्म करने के वादे सुने हैं। पहले गरीबी के खिलाफ लड़ाई सिर्फ नारों तक सीमित थी, लेकिन अब इसे खत्म करने के लिए जमीन पर काम हो रहा है। उन्होंने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए यह बात कही। इस दौरान उन्होंने पुणे मेट्रो की करीब 21,800 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन किया और नई परियोजनाओं की आधारशिला रखी। कार्यक्रम में महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस भी शामिल हुए। आज दुनिया में भारत की चर्चा दो और वजहों से हो रही है। पहली, दुनिया में मुश्किल हालात के बावजूद भारत सबसे तेज आर्थिक विकास करने वाला देश बना हुआ है। दूसरी, सिर्फ 10 से 12 साल में भारत के 50 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी से बाहर आए हैं।

1. सुरक्षा का माहौल: सीएम ने कहा कि 2017 से पहले त्योहारों के आते ही उपद्रव, दंगे और कर्फ्यू का डर सताने लगता था। बेटियां सुरक्षित नहीं थीं और व्यापारी खौफ में रहते थे। बाज़ार सुनसान हो जाते थे।

2. आज की तस्वीर: आज दीपावली के बाज़ार पूरी तरह गुलज़ार हैं। सीएम ने चेतावनी भरे लहजे में कहा, 'आज अगर कोई राह चलती बेटी या बहन को छेड़ेगा, तो उसे पता है कि उसका रास्ता सीधे जहन्नुम की तरफ जाता है। अब न दंगा होगा, न कर्फ्यू लगेगा।'

3. नाइट शिफ्ट में काम करती महिलाएं: पहले महिलाएं सूरज ढलने के बाद निकलने में डरती थीं, आज राज्य की महिलाएं फैक्ट्रियों और उद्योगों में नाइट शिफ्ट में भी बेझिझक काम कर रही हैं। 'लखपति दीदी' और 'बीसी सखी' जैसी योजनाओं ने महिलाओं को आर्थिक रूप से अपने पैरों पर खड़ा किया है।

पुणे मेट्रो की लाइन-3 करीब 23 किलोमीटर लंबी है

पुणे मेट्रो की लाइन-3 यानी पिंक लाइन करीब 23 किलोमीटर लंबी है। यह मान से डिस्ट्रिक्ट कोर्ट मेट्रो स्टेशन तक जाती है। इससे हिंजवड़ी IT हब और शिवाजीन-गर के बीच मेट्रो सेवा शुरू होगी। इससे हजारों IT कर्मचारियों और दूसरे यात्रियों को आने-जाने में आसानी होगी। पीएम ने पुणे मेट्रो के दूसरे फेज की आधारशिला भी रखी। इस पर करीब 13,500 करोड़ खर्च होंगे। इसमें मेट्रो की लाइन 2A, 2B, 4 और 4A बनाई जाएंगी।

भरा पचपेड़ा में 951 एकड़ से अधिक भूमि पर विकसित हो रहा औद्योगिक क्षेत्र, इंसुलिन और मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज के निर्माण को बढ़ावा

योगी सरकार पीलीभीत में 200 एकड़ में बनाएगी बायो-फार्मा पार्क

बढ़ावा

तमसा संकेत, संवाददाता

- नेपाल सीमा से निकटता और बेहतर रेल कनेक्टिविटी से निवेशकों को मिलेगा फायदा
- फार्मा फॉर्मूलेशन से बायो मैन्युफैक्चरिंग तक निवेश और अनुसंधान को मिलेगा बढ़ावा

लखनऊ। योगी सरकार प्रदेश को फार्मास्युटिकल और बायोटेक्नोलॉजी मैन्युफैक्चरिंग का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में लगातार काम कर रही है। इसी के तहत योगी सरकार ने प्रदेश के तराई क्षेत्र पीलीभीत को बायो-फार्मा उद्योग के नए केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में बड़ा कदम आगे बढ़ाया है। सीएम योगी की मंशा के अनुरुप उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) की ओर से पीलीभीत की तहसील अमरिया के भरा पचपेड़ा में 951.79 एकड़ क्षेत्र में आधुनिक औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जा रहा है। इसमें 200 एकड़ भूमि बायो-फार्मा पार्क के लिए चिह्नित की गई है। पार्क में वैक्सीन, इंसुलिन, जीन थेरेपी और मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज जैसी आधुनिक जैविक औषधियों के निर्माण को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके माध्यम से प्रदेश में बायोटेक्नोलॉजी आधारित विनिर्माण, अनुसंधान और नवाचार के लिए एक नया औद्योगिक इकोसिस्टम तैयार करने की योजना है। काउंसिल के डायरेक्टर डॉ. जीएन सिंह ने बताया कि पीलीभीत में बायो-फार्मा पार्क को फार्मा फॉर्मूलेशन और बायोटेक्नोलॉजी आधारित उत्पादन की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित किया जाएगा। यहां वैक्सीन, इंसुलिन, जीन थेरेपी और मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज के निर्माण से जुड़ी इकाइयों को प्रोत्साहित किया जाएगा। ये सभी उत्पाद आधुनिक चिकित्सा और गंभीर बीमारियों के उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में पार्क के विकसित होने से प्रदेश में उच्च तकनीक आधारित औषधि निर्माण की संभावनाएं बढ़ेंगी। उन्होंने बताया कि पीलीभीत का तापमान और यहां की जलवायु बायो-फॉर्मूलेशन से जुड़ी गतिविधियों के लिए अनुकूल मानी जा रही है। जैविक औषधियों के निर्माण और उनके भंडारण में तापमान का विशेष महत्व होता है।

फार्मा फॉर्मूलेशन और बायो मैन्युफैक्चरिंग को मिलेगा बढ़ावा

काउंसिल के डायरेक्टर डॉ. जीएन सिंह ने बताया कि पीलीभीत में बायो-फार्मा पार्क को फार्मा फॉर्मूलेशन और बायोटेक्नोलॉजी आधारित उत्पादन की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित किया जाएगा। यहां वैक्सीन, इंसुलिन, जीन थेरेपी और मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज के निर्माण से जुड़ी इकाइयों को प्रोत्साहित किया जाएगा। ये सभी उत्पाद आधुनिक चिकित्सा और गंभीर बीमारियों के उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

951.79 एकड़ में विकसित किया जा रहा औद्योगिक क्षेत्र

उत्तर प्रदेश प्रमोट फार्मा काउंसिल के डायरेक्टर एवं विशेष विशेषज्ञ डॉ. जीएन सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जोर प्रदेश में औद्योगिक विकास को केवल बड़े शहरों तक सीमित रखने के बजाय क्षेत्रीय स्तर पर भी निवेश और रोजगार के नए अवसर विकसित करने पर है। इसी सोच के अनुरूप पीलीभीत जैसे तराई क्षेत्र में बड़े औद्योगिक प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाया जा रहा है। योगी सरकार का प्रयास है कि प्रदेश में दवा और जैव प्रौद्योगिकी से जुड़े उत्पादों का निर्माण हो, जिससे निवेश के साथ-साथ स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा हों। बायो-फार्मा पार्क इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि भरा पचपेड़ा में औद्योगिक क्षेत्र को कुल 951.79 एकड़ में विकसित किया जा रहा है। इसमें 575.79 एकड़ औद्योगिक भूखंड, 60.98 एकड़ कॉमन फैसिलिटी, 109.23 एकड़ ग्रीन एरिया और 96.20 एकड़ सड़क नेटवर्क के लिए निर्धारित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त आबादी क्षेत्र और अन्य श्रेणियों के लिए भी भूमि का प्रावधान किया गया है। औद्योगिक क्षेत्र में फिलहाल 14 भूखंड आवंटन के लिए उपलब्ध हैं। वहीं 200 एकड़ में बायो फार्मा पार्क विकसित किया जा रहा।

68,500 शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों ने मंत्री आवास घेरा

एक घंटे तक घंटी बजाई, लेटकर प्रदर्शन किया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में मंगलवार को 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों ने प्रदर्शन किया। अभ्यर्थियों ने लगभग एक घंटे तक मंत्री आशीष पटेल के आवास के बाहर प्रदर्शन किया उनके दरवाजे पर घंटी बजाते रहे। इस दौरान प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थी आवास के बाहर लेट गए एक घंटे के हंगामा और नारेबाजी के बाद मंत्री बाहर आए और ज्ञापन लिया।

प्रदर्शनकारियों ने 'ऐसी क्या मजबूरी है-आरक्षण की चोरी है' और 'पिछड़ा आयोग ने माना है-आरक्षण घोटाला है जैसे नारे लगाए। ज्ञापन के बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर इको गार्डन भेज दिया। वहीं देर शाम फिर से अभ्यर्थियों ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के आवास का घेराव कर नारेबाजी की।

प्रदर्शन करने आए नवीन ने बताया कि 10 सितंबर को हम सभी लोगों की मुलाकात बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंग और माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी के साथ हुई। इस दौरान बेसिक और माध्यमिक विभाग के तमाम आलाधिकारी भी मौजूद रहे।

बैठक में दोनों मंत्रियों के साथ अधिकारियों ने भी इस बात को स्वीकार किया कि घोटाला हुआ है। जब राज्य पिछड़ा आयोग ने मान लिया राष्ट्रीय पिछड़ा आयोग ने मान लिया और अब सरकार में बैठे अधिकारी मंत्री भी स्वीकार कर रहे हैं कि घोटाला हुआ है तो रोजगार क्यों नहीं मिलता।

फास्ट न्यूज

एम्बुलेंस कर्मचारियों को मिला सम्मान

लखनऊ। लखनऊ में मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश की 108 और 102 एम्बुलेंस सेवाओं से जुड़े कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। सेवा प्रदाता संस्था ईएमआर-आई ग्रीन हेल्थ सर्विसेज की ओर से आयोजित समारोह में निदेशक कृष्णम राजू और प्रेसिडेंट टीवीएसके रेड्डी ने कर्मचारियों को स्मृति चिह्न, प्रशस्ति पत्र और चेक देकर सम्मानित किया।

केजीएमयू के आधा दर्जन डॉक्टरों का एरा यूनिवर्सिटी में निवेश

लखनऊ । KGMU के धर्मांतरण और लव जिहाद मामले की जांच में अब डॉक्टरों के आर्थिक संबंध भी चर्चा में हैं। एरा मेडिकल यूनिवर्सिटी में KGMU के करीब आधा दर्जन डॉक्टरों के निवेश का दावा किया जा रहा है। इनमें कई डॉक्टर मुस्लिम समुदाय से हैं। STF की जांच रिपोर्ट में एरा यूनिवर्सिटी में KGMU के मुस्लिम डॉक्टरों के निवेश का उल्लेख किया गया है। KGMU के बायोकेमिस्ट्री विभाग के पूर्व प्रमुख डॉ.अब्बास अली मेहंदी ने यहां से छुट्टी लेकर एरा मेडिकल कॉलेज में जिम्मेदारी संभाली थी।

छेड़छाड़ से परेशान छात्रा ने दी-जान

मॉल (मलिहाबाद), लखनऊ। लखनऊ में छेड़छाड़ और धमकियों से परेशान 15 साल की छात्रा ने सोमवार को घर में फांसी लगाकर जान दे दी। पिता का आरोप है कि आरोपी के खिलाफ कार्रवाई के लिए वह 13 अक्टूबर से थाने और चौकी के चक्कर लगा रहे थे, लेकिन पुलिस ने सुनवाई नहीं की। छात्रा की मौत के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मुकदमा दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया है।

केजीएमयू में बच्ची की मौत पर साढ़े 4 घंटे बवाल

वेंटिलेटर से वार्ड में शिफ्ट करने पर उठाए सवाल

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। KGMU के पीडियाट्रिक विभाग में छह साल की बच्ची की मौत के बाद जमकर हंगामा हुआ। गुस्साए परिजनों ने डॉक्टरों पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया। रोते-बिलखते परिजन कह रहे थे कि उनकी बच्ची पहले ठीक से बोलती थी, बैठती और उठती थी। करीब डेढ़ महीने से उसका इलाज चल रहा था। परिजनों का आरोप था कि बच्ची को वेंटिलेटर से हटाकर वार्ड में शिफ्ट किया गया और इसके बाद उसकी मौत हो गई। घटना का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में परिजन डॉक्टरों पर बच्ची की जान लेने का आरोप लगाते हुए अस्पताल की व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं। बच्ची की मौत के बाद करीब साढ़े चार घंटे तक विभाग में हंगामा होता रहा। इस दौरान दूसरे मरीजों का इलाज भी प्रभावित हुआ। घटना सोमवार सुबह की है।

जानकारी के मुताबिक, बाराबंकी निवासी आरोही को 27 सितंबर को KGMU में भर्ती कराया गया था। उसे GBS (गुइलेन-बैरे सिंड्रोम) था। डॉक्टरों के मुताबिक, इलाज के दौरान उसकी हालत में सुधार हो रहा था। 21 अक्टूबर से धीरे-धीरे वेंटिलेटर हटाने की प्रक्रिया शुरू की गई और 23 अक्टूबर से वह पूरी तरह वेंटिलेटर से बाहर थी। मौत से एक दिन पहले उसे PICU से सेमी प्राइवेट वार्ड में शिफ्ट किया गया था।

परंपरा संग आधुनिक तकनीक का संगम

जेन-जी को लुभाएगा रामायण का 3डी और लेजर शो, 100 कलाकारों से जीवंत होगी श्री राम के अयोध्या लौटने की गाथा

- 28 मिनट में जीवंत होगी श्रीराम के अयोध्या वापसी की गाथा
- जेन-जी से जुड़ेगा दीपोत्सव-2026, तकनीक संग दिखेगी रामनगरी की विरासत - जयवीर सिंह

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। अयोध्या में दीपोत्सव-2026 इस बार जेन-जी के रंग में रंगा नजर आएगा। परंपरागत दीयों की रोशनी के साथ आधुनिक तकनीक का संगम सरयू घाटों पर ऐसा दृश्य रचा जाएगा, जो युवाओं को विशेष रूप से आकर्षित करेगा। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग की ओर से दीपोत्सव के दौरान मल्टीमीडिया प्रोजेक्शन और लेजर शो के साथ 100 से अधिक कलाकारों का लाइव परफॉर्मेंस होगा। राम की पैड़ी पर 07 नवंबर को होने वाले भव्य आयोजन में दीपों की आभा को कृत्रिम रोशनी, तकनीक और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ जोड़कर आगंतुकों के लिए विशेष अनुभव प्रस्तुत करेगा।

जेन-जी को लुभाएगा नया अंदाज

दीपोत्सव में मल्टीमीडिया प्रोजेक्शन और लेजर शो पिछले वर्षों में भी आकर्षण का केंद्र रहे हैं। इस बार पर्यटन विभाग ने जेन-जी की रुचियों को ध्यान में रखते हुए प्रस्तुति में नयेपन पर जोर दिया है। इसके तहत पिछले आयोजनों के विजुअल, संगीत, स्टोरीबोर्ड और एनिमेशन को दोहराने के बजाय नए कंटेंट के जरिए युवा सैलानियों को भगवान श्रीराम की आस्था और अयोध्या की विरासत से जोड़ने की तैयारी है।

09 नवंबर तक होंगे भव्य आयोजन

दीपोत्सव-2026 के दौरान रामनगरी में पांच से नौ नवंबर तक मल्टीमीडिया प्रोजेक्शन और लेजर शो आकर्षण का केंद्र रहेंगे। पांच नवंबर को दो ट्रायल शो के साथ इसकी शुरुआत होगी, जबकि छह नवंबर को फुल ड्रेस रिहर्सल होगी। सात नवंबर को दीपोत्सव की संध्या पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष विशेष प्रस्तुति दी जाएगी। इसके अलावा आमजन के लिए तीन अतिरिक्त शो भी आयोजित होंगे। वहीं, आठ नवंबर को दीपावली के दिन चार शो होंगे, हालांकि इनमें नृत्य कार्यक्रम शामिल नहीं होगा। अयोध्यावासियों को ध्यान में रखकर नौ नवंबर को विशेष ड्रोन शो का आयोजन होगा।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि दीपोत्सव में परंपरागत दीयों की रोशनी से जगमगाने वाली रामनगरी तकनीक और कला के अद्भुत संगम की भी साक्षी बनेगी। इस दौरान विशेष प्रस्तुतियां विशेषकर जेन-जी को ध्यान में रखकर डिजाइन की गई है। प्रभु श्रीराम के अयोध्या लौटने की कथा को प्रोजेक्शन मैपिंग, लेजर, एरियल एक्ट और कलाकारों की प्रस्तुतियों के माध्यम से जीवंत होगा।

- युवा सैलानियों को आकर्षित करेगा दीपोत्सव-2026 का बदला अंदाज, मोबाइल पर दिखेंगे रामायण के 3डी दृश्य
- राम की पैड़ी होगा मुख्य आकर्षण, फ्लोटिंग मंच पर कलाकारों की प्रस्तुति आगंतुकों को करेगी रोमांचित

दीपावली पर बोनस और इंक्रीमेंट की उम्मीद : करुणा शंकर मिश्रा

संविदा स्वास्थ्यकर्मियों के हित में सरकार के कदम सराहनीय

तमसा संकेत, संवाददाता

- करुणा शंकर मिश्रा ने विश्वास व्यक्त किया कि मुख्यमंत्री एवं उपमुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार दीपावली के अवसर पर संविदा स्वास्थ्यकर्मियों को बोनस और इंक्रीमेंट की सौगात देने के साथ ही कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा पर भी सकारात्मक निर्णय लेगी।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश क्षय रोग वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष करुणा शंकर मिश्रा ने प्रदेश सरकार एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मिशन निदेशक के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि संविदा स्वास्थ्यकर्मियों के हित में उठाए गए कदम कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए बड़ी राहत साबित हुए हैं।

उन्होंने कहा कि संविदा स्वास्थ्यकर्मियों के लिए 30 लाख रुपये का बीमा उपलब्ध कराना सरकार का अत्यंत सराहनीय और ऐतिहासिक कदम है। किसी कर्मचारी के असामयिक निधन पर उसके परिवार को 30 लाख रुपये की आर्थिक सुरक्षा मिलना अपने आप में एक बड़ी पहल है। इसके लिए प्रदेश सरकार बधाई की पात्र है। मिश्रा ने कहा कि पूर्व में संविदा कर्मचारियों को संविदा समाप्ति की आशंकाओं और विभिन्न प्रकार के दबावों का सामना करना पड़ता था, लेकिन मिशन निदेशक के स्तर से किए गए प्रभावी हस्तक्षेप और सकारात्मक पहल से कर्मचारियों को काफी राहत मिली है। कर्मचारियों के हितों को लेकर सरकार और मिशन निदेशालय का सकारात्मक रुख स्वागतयोग्य है। उन्होंने आगे कहा कि अब कर्मचारियों को सरकार से एक और बड़ी उम्मीद है।

प्रदेश के संविदा स्वास्थ्यकर्मियों को बोनस एवं वेतन में इंक्रीमेंट दिए जाने की मांग

इसके साथ ही उन्होंने दीपावली के पावन अवसर पर प्रदेश के संविदा स्वास्थ्यकर्मियों को बोनस एवं वेतन में इंक्रीमेंट दिए जाने की मांग दोहराई। उन्होंने कहा कि राज्य कर्मचारियों की तरह संविदा स्वास्थ्यकर्मियों के हितों और उनकी आर्थिक आवश्यकताओं को भी सरकार गंभीरता से संज्ञान में लेगी, ऐसी उन्हें पूरी उम्मीद है। अंत में उन्होंने प्रदेश सरकार, मिशन निदेशक एवं स्वास्थ्य विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए प्रदेशभर के समस्त संविदा स्वास्थ्यकर्मियों एवं उनके परिवारों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

एल्डिको सिटी के बेसमेंट में मिट्टी ढही, मजदूर की मौत

लखनऊ में शटरिंग खोलते समय मलबे में दबे

तमसा संकेत, एजेंसी

मोहनलालगंज । लखनऊ में मंगलवार को एल्डिको सिटी के बेसमेंट में मिट्टी ढहने से एक मजदूर की मौत हो गई। वह उस समय शटरिंग खोल रहे थे, तभी अचानक भरभराकर मिट्टी ढहने से मलबे में दब गए। साथ काम कर रहे मजदूरों ने अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना मोहनलालगंज-गोसाईगंज मार्ग पर निर्माणाधीन एल्डिको सिटी की है।

राजेश कुमार (40) सीतापुर के रहने वाले थे। पुलिस के मुताबिक, मंगलवार को राजेश कुमार बेसमेंट में शटरिंग खोलने का काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक बेसमेंट की मिट्टी ढह गई और वह मलबे में दब गए। साथी मजदूरों ने आनन-फानन मलबा हटाकर उसे बाहर निकाला और निजी अस्पताल पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे सिविल अस्पताल रेफर कर दिया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। साथी मजदूरों का आरोप है कि श्रमिक बिना सुरक्षा उपकरणों के काम कर रहे थे और निर्माण स्थल पर पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं थे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि हादसे के बाद ठेकेदार मौके से फरार हो गया। राजेश की मौत के बाद साथी मजदूरों ने नाराजगी जताई। उन्होंने सवाल उठाया कि निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा नियमों का पालन क्यों नहीं कराया जा रहा था।

आयोजन : ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए उत्तर प्रदेश में बनेगी समयबद्ध ऋण कार्ययोजना

वित्त विभाग व नाबार्ड के सहयोग से सम्मेलन आयोजित

- 'विकसित उत्तर प्रदेश 2047' के विजन के अनुरूप प्रदेश के सभी 75 जिलों में ऋण प्रवाह बढ़ाने और ग्रामीण उद्यमिता को गति देने पर मंथन

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने तथा कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन और ग्रामीण उद्यमिता को नई गति देने के उद्देश्य से विधान भवन स्थित पारिजात सभागार में वित्त विभाग द्वारा नाबार्ड के सहयोग से 'राज्य ग्रामीण विकास सम्मेलन-2026' का आयोजन किया गया।

सम्मेलन में निर्णय लिया गया कि आगामी एक से दो वर्षों के भीतर जिला स्तरीय ऋण योजनाओं को धरातल पर प्रभावी कार्ययोजना में परिवर्तित किया जाएगा। इसके अंतर्गत जनपद एवं विकासखंड स्तर पर स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित किए जाएंगे और बैंकिंग संस्थाओं की जवाबदेही तय की जाएगी। पूरी व्यवस्था को पारदर्शी व परिणामपरक बनाए रखने के लिए ब्लॉक स्तरीय बैंकर्स समिति (बीएलबीसी) तथा जिला परामर्शदात्री समिति (डीसीसी) के माध्यम से नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाएगी। सम्मेलन में उभरे प्रमुख निष्कर्षों एवं संस्तुतियों को नाबार्ड के आगामी 'राज्य फोकस पेपर 2027-28' के निर्माण में भी प्रमुखता से समाहित किया जाएगा।

कृषि, बागवानी एवं ग्रामीण अवसंरचना के विकास हेतु मियादी ऋण (टर्म लोन) में वृद्धि तथा कृषि उत्पादों के स्थानीय प्रसंस्करण को प्रोत्साहित करने पर विशेष बल दिया गया। 'एक जिला, एक मूल्य श्रृंखला' की अवधारणा को बढ़ावा देने, डिजिटल माध्यमों से छोटे व पट्टेदार किसानों को सुलभ ऋण उपलब्ध कराने तथा किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को बैंक वित्तपोषण से जोड़कर सामूहिक उद्यमिता विकसित करने पर विचार-विमर्श हुआ।

> सम्मेलन में 'विकसित उत्तर प्रदेश 2047' के संकल्प के अनुरूप ग्रामीण क्षेत्रों में संस्थागत ऋण की पहुंच का दायरा बढ़ाने तथा प्रदेश के सभी 75 जनपदों के लिए ठोस, मापनीय एवं समयबद्ध ऋण कार्ययोजना तैयार करने पर विशेष बल दिया गया।

रोजगार सृजन और आय वृद्धि को प्राथमिकता देने पर सहमति

महिला एवं युवा उद्यमिता के क्षेत्र में मात्र ऋण स्वीकृति के स्थान पर उद्यमों की स्थायी स्थापना, सतत संचालन, रोजगार सृजन और आय वृद्धि को प्राथमिकता देने पर सहमति बनी। पशुपालन क्षेत्र में नाबार्ड की डेयरी विकास योजना को राज्य पशुधन मिशन में शामिल किए जाने तथा प्रदेश के लिए तैयार विशिष्ट मत्स्य विकास योजना पर भी चर्चा हुई।

भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में 'खेत बचाओ अभियान' का शुभारंभ

मृदा स्वास्थ्य की रक्षा और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए जन-आंदोलन बनेगा 'खेत बचाओ अभियान' : सूर्य प्रताप शाही

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही ने आज भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान (आईआईएसआर), तेलीबाग, लखनऊ के प्रांगण में आयोजित 'खेत बचाओ अभियान' के भव्य शुभारंभ कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री, भारत सरकार श्री शिवराज सिंह चौहान उपस्थित रहे।

समारोह के दौरान कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही ने प्रदेश के अन्नदाताओं के लिए एक बड़ी उपलब्धि की जानकारी साझा करते हुए बताया कि केंद्र सरकार ने उत्तर प्रदेश के किसानों के हित में ऐतिहासिक निर्णय लिया है। केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने खरीफ 2026 सीजन हेतु मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर 86,500 मीट्रिक टन मूंगफली एवं 43,250 मीट्रिक टन तिल की खरीद के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। शाही ने इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी एवं केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी का उत्तर प्रदेश के समस्त किसानों की ओर से हृदय से आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि यह फैसला प्रदेश के मूंगफली एवं तिल उत्पादक किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य सुनिश्चित कराएगा तथा उन्हें किसी भी प्रकार की संकटपूर्ण बिक्री से बचाकर आर्थिक रूप से सशक्त व आत्मनिर्भर बनाएगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही ने अभियान के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उन्नाव में कार बनवाने मैकेनिक लेने गए थे, पत्नी लेखपाल है

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार कॉलेज बाबू की मौत

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। जिले के गंगाघाट थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की जान चली गई। आजाद नगर के पास तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक चला रहे युवक सड़क पर सिर के बल जा गिरे। सिर में गंभीर चोट लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में बाइक पर पीछे बैठा मैकेनिक बाल-बाल बच गया, जबकि दुर्घटना के बाद ट्रैक्टर चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। मृतक की पहचान 32 वर्षीय प्रवीण मिश्रा के रूप में हुई है। वह राजकीय इंटर कॉलेज में बाबू के पद पर तैनात थे और शुक्लागंज के गायत्री नगर स्थित मकान में परिवार के साथ रहते थे।

कॉलेज में शोक, परिचितों ने जताया दुख

प्रवीण मिश्रा 20 किलोमीटर दूर अचलगंज क्षेत्र के हड़हा स्थित राजकीय इंटर कॉलेज में बाबू के पद पर तैनात होने थे। उनकी मौत की खबर सुनने के बाद उनके सहकर्मियों और परिचितों में भी शोक का माहौल है।

एक जिम्मेदार कर्मचारी और परिवार के सहारे के रूप में उनकी पहचान थी। अचानक हुई मौत से उनके परिचित स्तब्ध हैं। गंगाघाट पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस के अनुसार, मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

तस्वीर में प्रवीण पत्नी प्रिया के साथ हैं, उनकी चार साल पहले शादी हुई थी।

सड़क पर बाइक के नीचे दबा मिला शव, सिर में गंभीर चोट

हादसे के बाद सड़क पर युवक का शव पड़ा देखकर राहगीरों की भीड़ जुटने लगी। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। वहां प्रवीण का शव बाइक के नीचे दबा हुआ मिला। हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उनके सिर में बेहद गंभीर चोट आई थी। घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा होने और सड़क पर शव व क्षतिग्रस्त बाइक पड़े होने के कारण यातायात प्रभावित हो गया। देखते ही देखते सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और करीब एक किलोमीटर तक जाम की स्थिति बन गई।

बाराबंकी के विप्रज निगम इंडिया-ए टीम में चुने गए

तिलक वर्मा की कप्तानी में राइजिंग स्टार्स एशिया कप खेलेगी टीम

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी की आवास विकास कॉलोनी के क्रिकेटर विप्रज निगम का भारतीय ए टीम में चयन हुआ है। तिलक वर्मा की कप्तानी वाली टीम राइजिंग स्टार्स एशिया कप में खेलेगी। टी-20 टूर्नामेंट 19 से 29 नवंबर तक कतर की राजधानी दोहा में होगा। रजत पाटीदार को टीम का उपकप्तान बनाया गया है। उत्तर प्रदेश के रिंकू सिंह की टीम में वापसी हुई है। अभिषेक शर्मा और युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी को भी टीम में जगह मिली है। विप्रज ने बताया कि वह रोहित शर्मा को अपना आदर्श मानते हैं। विप्रज का जन्म बाराबंकी में एक शिक्षक परिवार में हुआ। उनके माता-पिता के मुताबिक, बचपन से ही उन्हें पढ़ाई के साथ खेलों में भी रुचि थी। क्रिकेट में आगे बढ़ाने के लिए परिवार ने उन्हें हैदरगढ़ से बाराबंकी के एंथोनी स्कूल में दाखिला दिलाया।

स्कूल में कोच सरवर नवाब ने उन्हें क्रिकेट की बारीकियां सिखाईं और उनकी प्रतिभा निखारने के लिए मेहनत की। इसके बाद विप्रज ने लखनऊ में रहकर अपने खेल को बेहतर बनाया। अंडर-19 स्तर पर ओपनिंग बल्लेबाज के तौर पर खेलने वाले विप्रज ने बाद में लेग स्पिन गेंदबाजी में भी पहचान बनाई।

अच्छे प्रदर्शन के बाद उन्हें उत्तर प्रदेश की टीम से टी-20, वनडे और चार दिवसीय क्रिकेट खेलने का मौका मिला।

विप्रज आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के लिए भी खेले और यूपी टी-20 लीग में हिस्सा लिया। क्रिकेट एसोसिएशन लखनऊ के सचिव केएम खान ने उनके चयन पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि विप्रज ने मेहनत से यह सफर तय किया है और इंडिया-ए टीम में चयन उनके करियर की उपलब्धि है।

फास्ट न्यूज

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

उन्नाव। उन्नाव के सदर कोतवाली क्षेत्र में करोवन के पास सोमवार देर रात अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार राहुल यादव (24) की मौत हो गई। वह अकरमपुर स्थित बीयर फैक्ट्री में लोडिंग का काम करता था और ड्यूटी के बाद घर लौट रहा था। सिकंदरपुर सरोसी निवासी राहुल, स्व. देवतार का बेटा था। सोमवार रात करीब एक बजे वह बाइक से घर जा रहा था। नादाखेड़ा के पास अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी।

बेकाबू डंपर 9 दुकानों में घुसा

रायबरेली। रायबरेली के मिल एरिया थाना क्षेत्र के तकिया चौराहे पर मंगलवार, 3 नवंबर को तड़के एक डंपर बेकाबू होकर सड़क किनारे स्थित 9 दुकानों में जा घुसा। हादसे में दुकानों के शटर, दीवारें और अंदर रखा सामान क्षतिग्रस्त हो गया। लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान है। घटना के समय दुकानें बंद थीं, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। डंपर रायबरेली-अयोध्या (फैजाबाद) मार्ग से गुजर रहा था। सुबह करीब 4 बजे चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और डंपर सड़क किनारे बनी दुकानों से टकरा गया। टक्कर इतनी तेज थी।

मवेशियों को लेकर जा रही गाड़ी पकड़ी

उन्नाव। उन्नाव के सदर कोतवाली इलाके में रविवार रात पांच भैंसों से भरा एक वाहन रोका गया। भैंसों में से एक मरणासन्न हालत में मिली। वाहन रोकने के दौरान विवाद हुआ। नवाबगंज निवासी वैभव श्रीवास्तव ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 1 नवंबर को उन्हें और बजरंग दल के कुछ कार्यकर्ताओं को वाहन में पशुओं के अवैध परिवहन की सूचना मिली थी।

सैदलीपुर से निकली कलश यात्रा राजाबली धाम पहुंची

श्रद्धालुओं ने गोलाघाट से जल भरकर किया जलाभिषेक

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली। रायबरेली के जगतपुर ब्लॉक में सैदलीपुर भुलभुलियापुर अड्डा से जमुनापुर और गोलाघाट के लिए कलश यात्रा निकाली गई। श्रद्धालुओं ने राजाबली धाम पहुंचकर जलाभिषेक किया। मठाधीश वीरेंद्र बाबा और छोटू बाबा के नेतृत्व में निकली यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। वे सिर पर कलश लेकर भजन-कीर्तन और जयकारे लगाते हुए आगे बढ़े। गोलाघाट पहुंचकर श्रद्धालुओं ने कलश में जल भरा। इसके बाद राजाबली धाम में भगवान का जलाभिषेक किया। यात्रा में बबलू, दीपक कुमार मौर्य, शेर बहादुर यादव, वीरेंद्र कुमार यादव, नीरज कुमार यादव, रामबरन यादव, बृजलाल यादव, अशोक कुमार, विकास कुमार, संपूर्णानंद दीक्षित, काजल यादव, अनीता यादव और बैतूल देवी समेत क्षेत्र के लोग मौजूद रहे।

मौरावां के मावई रोड पर बिसारा पुलिया के पास हुआ हादसा, रिश्तेदारी से घर लौट रहा था युवक

बिजली के खंभे से टकराई बाइक, 20 वर्षीय युवक की मौके पर मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। जिले के मौरावां थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में 20 वर्षीय युवक की जान चली गई। मावई रोड पर बिसारा पुलिया के पास तेज रफ्तार बाइक अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और उसने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। युवक की मौत की खबर परिवार तक पहुंची तो घर में चीख-पुकार मच गई। मृतक की पहचान मौरावां थाना क्षेत्र के उदोतपुर गांव निवासी अंकित के रूप में हुई है। वह स्वर्गीय राम नरेश के पुत्र थे और उनकी उम्र महज 20 वर्ष थी। जानकारी के मुताबिक, अंकित किसी रिश्तेदारी में गए हुए थे। मंगलवार सुबह वह बाइक से अपने घर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान मावई रोड पर बिसारा पुलिया के पास उनकी बाइक अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकरा गई। हादसे में उन्हें इतनी गंभीर चोटें आईं कि मौके पर ही उनकी मौत हो गई। चाचा के मुताबिक, परिवार पहले से ही सीमित संसाधनों में गुजर-बसर कर रहा था। ऐसे में घर के इकलौते बेटे और परिवार का सहारा रहे अंकित की मौत ने मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।

अंकित के चाचा ने बताया कि परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर है। परिवार खेती-किसानी के सहारे अपना जीवनयापन करता है। अंकित घर में रहकर खेती के काम में हाथ बंटाते थे और परिवार की जिम्मेदारियों में सहयोग करते थे। उनकी मौत के बाद परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।

रिश्तेदारी से घर लौटते समय हुआ हादसा

परिजनों के मुताबिक, अंकित मंगलवार सुबह रिश्तेदारी से अपने गांव उदोतपुर लौट रहे थे। रास्ते में बिसारा पुलिया के पास अचानक उनकी बाइक का संतुलन बिगड़ गया। बाइक सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से टकरा गई। हादसा किस वजह से हुआ, इसकी स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। हालांकि, टक्कर इतनी भीषण थी कि अंकित को संभलने का मौका तक नहीं मिला।

घटना के बाद आसपास के लोगों ने हादसे की जानकारी पुलिस और परिजनों को दी। सूचना मिलते ही परिवार के लोग बदहवास हालत में घटनास्थल पर पहुंचे। घर के जवान बेटे की मौत की खबर सुनकर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। जिस युवक के घर लौटने का इंतजार किया जा रहा था, उसकी मौत की खबर ने पूरे परिवार को झकझोर कर रख दिया।

दो बहनों का इकलौता भाई था अंकित

अंकित अपने परिवार में दो बहनों के बीच इकलौते भाई थे। उनकी उम्र अभी केवल 20 वर्ष थी और उनकी शादी भी नहीं हुई थी। वह गांव में रहकर परिवार के साथ खेती-किसानी का काम संभालते थे। पिता की मृत्यु के बाद परिवार के साथ रहकर खेती और घरेलू जिम्मेदारियों में हाथ बंटाना ही उनकी दिनचर्या का हिस्सा था। परिवार के लिए अंकित केवल बेटा ही नहीं, बल्कि घर की जिम्मेदारियों को संभालने वाला प्रमुख सहारा भी थे। दो बहनों के बीच इकलौते भाई होने के कारण उनसे परिवार को काफी उम्मीदें थीं।

आर्केस्ट्रा देखने गए किशोर का शव नाले में मिला

रायबरेली में परिजनों ने हत्या कर शव फेंकने का आरोप लगाया

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली। रायबरेली के जगतपुर कोतवाली क्षेत्र के पूरे त्रिलोक सिंह के पुरवा गांव में 17 वर्षीय प्रिंस का शव नाले में दिन मंगलवार दोपहर 1:00 मिला। परिजनों ने हत्या कर शव नाले में फेंकने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्रिंस अपने ननिहाल में रहता था। उसके नाना फूलचंद होटल चलाते हैं। पड़ोस के मोती का पुरवा गांव में निमंत्रण कार्यक्रम था, जहां आर्केस्ट्रा का आयोजन किया गया था। प्रिंस कार्यक्रम में आर्केस्ट्रा देखने गया था। देर रात तक प्रिंस घर नहीं लौटा तो परिजनों ने उसकी तलाश की। मंगलवार सुबह गांव के प्राथमिक विद्यालय के पीछे बने नाले में उसका शव मिला। ग्रामीणों के मुताबिक, प्रिंस के शरीर पर चोट और मारपीट के निशान थे। परिजनों और ग्रामीणों ने हत्या कर शव नाले में फेंके जाने की आशंका जताई है। सूचना मिलने पर जगतपुर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। क्षेत्राधिकारी गिरजा शंकर त्रिपाठी और फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी। पुलिस ने जल्द घटना का खुलासा करने की बात कही है।

सीएमएस के पुराने कार्यालय में लगाया ताला, नए भवन में बैठने के निर्देश

मेडिकल कॉलेज में प्राचार्य का निरीक्षण, 8 डॉक्टर गैरहाजिर

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई मेडिकल कॉलेज में मंगलवार सुबह प्राचार्य डॉ. जेबी गोगोई के औचक निरीक्षण से स्वास्थ्य महकमे में खलबली मच गई। सुबह करीब 8:30 बजे निरीक्षण के दौरान प्राचार्य ने सीएमएस के पुराने कार्यालय में ताला लगवा दिया और उन्हें नए भवन में बैठने के निर्देश दिए। इसके बाद ओपीडी और महिला अस्पताल के निरीक्षण में विभिन्न विभागों के 8 डॉक्टर अनुपस्थित मिले। इस दौरान सीएमएस डॉ. आदित्य झींगरन वहां मौजूद नहीं मिले। प्राचार्य ने फोन पर संपर्क किया तो सीएमएस ने बताया कि वह राउंड पर हैं। इस पर प्राचार्य ने नाराजगी जताते हुए पुराने कार्यालय में ताला लगा दिया। उन्होंने कहा कि सीएमएस को आईपीओ भवन की पांचवीं मंजिल पर बने नए कार्यालय में बैठना चाहिए। प्राचार्य ने सभी से स्पष्टीकरण तलब किया है। कार्यालय के निरीक्षण के बाद प्राचार्य ने मेडिकल कॉलेज और महिला चिकित्सालय के विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया। इस दौरान एक्स-रे विभाग, ब्लड बैंक, फार्मेसी, मेडिसिन, ऑर्थो, मनोचिकित्सा, फैमिली मेडिसिन, आयुष विंग, एनसीडी और सर्जिकल ओपीडी की जांच की गई।

सीएमएस के पुराने कार्यालय में लगाया ताला

मंगलवार सुबह करीब 8:30 बजे प्राचार्य मेडिकल कॉलेज परिसर पहुंचे और सीएमएस के पुराने कार्यालय का जायजा लिया। इस दौरान सीएमएस डॉ. आदित्य झींगरन वहां मौजूद नहीं मिले। प्राचार्य ने फोन पर संपर्क किया तो सीएमएस ने बताया कि वह राउंड पर हैं। इस पर प्राचार्य ने नाराजगी जताते हुए पुराने कार्यालय में ताला लगा दिया। उन्होंने कहा कि सीएमएस को आईपीओ भवन की पांचवीं मंजिल पर बने नए कार्यालय में बैठना चाहिए।

"निरीक्षण में महिला अस्पताल से 2, ईएनटी ओपीडी से 1, पीडियाट्रिक (बाल रोग) ओपीडी से 4 और सर्जरी ओपीडी से 1 डॉक्टर अनुपस्थित मिले। कुल 8 डॉक्टरों के गैरहाजिर मिलने पर प्राचार्य ने सभी को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा है। अचानक हुई इस कार्रवाई से मेडिकल कॉलेज और अस्पताल परिसर में खलबली मची रही।

घटना : गोली मारकर हत्या के बाद शव सड़क किनारे फेंकने का आरोप

सोनू हत्याकांड में दो दोस्तों पर एफआईआर

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई के बिलग्राम कोतवाली क्षेत्र में दुर्गागंज के पास बोलेरो में मृत मिले युवक सोनू की मौत के मामले में उसके दो दोस्तों उवेंश यादव और रोहित के खिलाफ हत्या और साक्ष्य छिपाने की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है। बिलग्राम कोतवाली में सोमवार देर रात 12:31 बजे मुकदमा दर्ज हुआ। एफआईआर में दोनों पर गोली मारकर हत्या करने और शव सड़क किनारे फेंककर घटना को सड़क हादसे का रूप देने का आरोप लगाया गया है। डीएम की परमिशन के बाद सोनू के शव का दोबारा पोस्टमार्टम होगा। मंगलवार सुबह परिजनों ने दोबारा पोस्टमार्टम कराने की मांग करते हुए अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया था। मृतक के भाई अमित ने बताया कि निष्पक्ष जांच और दोबारा पोस्टमार्टम की मांग को लेकर वे डीएम को प्रार्थना पत्र देंगे। मंगलवार दोपहर 12 बजे तक शव घर के बाहर रखा हुआ था। एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि सांडी रोड पर लमकन पुल के पास दोनों आरोपियों ने आलोक और शीतल को तमंचा दिखाकर गाड़ी से उतार दिया। उनसे कहा कि बुकिंग तो सिर्फ एक बहाना था और आज सोनू को जिंदा नहीं छोड़ेंगे। इसके बाद रात करीब 10 बजे दुर्गागंज के पास आरोपियों ने सोनू की गोली मारकर हत्या कर दी। आरोप है कि शव सड़क किनारे फेंककर घटना को दुर्घटना दिखाने का प्रयास किया गया। मंगलवार सुबह परिजनों ने दोबारा पोस्टमार्टम कराने की मांग उठाई और अंतिम संस्कार करने से साफ इनकार कर दिया। मृतक के भाई अमित ने बताया कि वे डीएम कार्यालय में प्रार्थना पत्र देकर निष्पक्ष जांच और दोबारा पोस्टमार्टम कराने की मांग करेंगे। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सोनू की मौत के बाद परिवार लगातार मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहा है। मंगलवार सुबह परिजनों ने दोबारा पोस्टमार्टम कराने की मांग उठाई। उनका कहना है कि मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट होनी चाहिए और मामले की जांच निष्पक्ष तरीके से की जानी चाहिए। मृतक के भाई अमित ने बताया कि परिवार इस मामले में डीएम को प्रार्थना पत्र देकर दोबारा पोस्टमार्टम कराने और निष्पक्ष जांच की मांग करेगा। उनका कहना है कि जब तक उनकी मांग पर कार्रवाई नहीं होती, तब तक परिवार अंतिम संस्कार नहीं करेगा। परिजनों के इस फैसले के चलते मंगलवार दोपहर 12 बजे तक सोनू का शव घर के बाहर रखा हुआ था।

रुपए के लेन-देन को लेकर विवाद का आरोप

एफआईआर के मुताबिक, हरपालपुर कोतवाली क्षेत्र के गुलौली गांव निवासी मोनू उर्फ अमित कुमार ने बिलग्राम कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है। उनका कहना है कि उनके भाई सोनू बोलेरो कार किराए पर चलाते थे। उनकी पहचान उवेंश यादव निवासी बारामऊ, हाल पता हरपालपुर और रोहित निवासी ईसेपुर से थी। दोनों आरोपियों का सोनू के साथ रुपयों का लेन-देन था। आरोप है कि 1 नवंबर की रात करीब 9 बजे दोनों युवक बोलेरो किराए पर बुक करके गुलौली से सोनू को अपने साथ ले गए थे। गाड़ी में उनके साथ आलोक और शीतल भी सवार थे।

ग्रामीणों ने सड़क निर्माण का काम रुकवाया

घटिया निर्माण का आरोप, 22 लाख की से बन रही थी 2 किमी सड़क

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली। रायबरेली के लालगंज तहसील क्षेत्र में ग्रामीणों ने सड़क निर्माण में मानकों की अनदेखी का आरोप लगाकर काम रुकवा दिया। सिंचाई विभाग की पुरवा ब्रांच नहर की पटरी पर करीब 22 लाख रुपए की लागत से 2 किलोमीटर लंबी सड़क बनाई जा रही है। यह सड़क लालगंज से डकौली जाने वाले मार्ग पर बन रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण से पहले सड़क की ठीक से सफाई नहीं की गई। तारकोल का सही इस्तेमाल नहीं हुआ और कंप्रेसर मशीन भी ठीक से नहीं चलाई गई। ग्रामीणों ने कहा कि धूल और मिट्टी के ऊपर ही डामर और गिट्टी बिछाई जा रही थी। उन्होंने निर्माण एजेंसी और ठेकेदार पर मनमानी करने और सरकारी धन के दुरुपयोग का आरोप लगाया। ग्रामीणों ने विभागीय अधिकारियों से जांच कराने और तकनीकी मानकों के मुताबिक सड़क बनवाने की मांग की। क्षेत्र पंचायत सदस्य संदीप कुमार यादव ने बताया कि ठेकेदार ने समयावधि का हवाला देकर सड़क की सफाई नहीं की। उनके मुताबिक, मानकों के खिलाफ करीब 150 मीटर सड़क बनाई गई थी। शिकायत मिलने पर सिंचाई विभाग के लालगंज अनुभाग के जेई मोहम्मद अर्शद मौके पर पहुंचे। उन्होंने निर्माण कार्य रुकवा दिया और दोबारा निर्माण के आदेश दिए।

रायबरेली के लालगंज तहसील क्षेत्र में ग्रामीणों ने सड़क निर्माण में मानकों की अनदेखी का आरोप लगाकर काम रुकवा दिया।

सम्पादकीय

हांफते-खांसते भाजपा का समर्थन

केंद्र में नरेन्द्र मोदी के बारह सालों के शासन का हासिल यह है कि सामान्य बुद्धि को ताक पर रखकर धर्म के नाम पर खुद को नुकसान पहुंचाने से भी लोग अब झिझक नहीं रहे हैं। चंद दिनों में दीपावली का पर्व शुरु हो रहा है। फसल कटाई के बाद का यह उत्सव अब प्रदूषण की कालिमा से घिर चुका है। बरसों से दीपावली के पहले और बाद में चिंता का एक बड़ा विषय वायु और ध्वनि प्रदूषण बन गया है। देश की राजधानी दिल्ली समेत तमाम बड़े शहरों में हवा सांस लेने लायक नहीं रह गई है। पहले पानी इतना प्रदूषित कर दिया गया कि जल शुद्धिकरण यंत्र यानी वॉटर प्यूरीफायर अनिवार्यता बन चुके हैं। हर संपन्न, सक्षम घर में वॉटर प्यूरीफायर मिल जाएगा। जहां नहीं होगा, वहां बोतलों में बंद पानी खरीदा जाता है। गरीबों के लिए यह अब भी विलासिता की चीज है कि पानी शुद्ध करने वाली मशीन वे अपने घर में लगा सकें। उनके घरों में तो नल ही नहीं होता, तो उससे निकलने वाले पानी को शुद्ध करना तो दूर की बात है। वे अब भी नगर निगम के बनाए नलों, तालाबों या कुओं से पानी भरते हैं और कई इलाकों में दूर-दराज से पानी ढोकर लाते हैं। पानी के बाद अब अगला हमला हवा पर हुआ है। प्रकृति के दिए अनमोल उपहारों यानी हवा और पानी पर अब अमीरों का कब्जा होता जा रहा है। हवा को बोतल में बंद करके तो अभी नहीं बेचा जा रहा, लेकिन अब एयर प्यूरीफायर खूब बिकने लगे हैं। जिन घरों में यह नहीं होते, वहां अंदर रखे पौधों से हवा को शुद्ध बनाने की कोशिश की जाती है। और इससे भी काम न बने तो फिर मास्क है ही। कोविड काल ने लोगों को मजबूरी में मास्क पहनना सिखाया, अब लोग इसे आदत की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं। हालांकि गरीबों के लिए यह भी एक विलासिता ही है। भारत में पूंजीवाद का ऐसा घिनौना स्वरूप देखने मिलेगा, यह कल्पना तो पूंजीवाद के कट्टर समर्थकों ने भी नहीं की होगी। जिसमें गरीबों और असहायों से उनके जीने के मूल आधार हवा-पानी को ही उनके लिए अनुपलब्ध करा दिया जाए। यह अतिशयोक्ति नहीं है, बल्कि कड़वा सच है कि देश के कई शहरों की हवा सांस लेने लायक नहीं रह गई है। वायु गुणवत्ता इंडेक्स यानी एक्यूआई में दो सौ, तीन सौ के आंकड़े पार करना तो अब मामूली बात हो गई है, जबकि यह प्राणवायु नहीं जहरीली हवा होती है। हर साल अक्टूबर से लेकर दिसंबर-जनवरी तक यही हालात रहते हैं। दिल्ली के आसपास तो पराली जलाने को लंबे अरसे तक प्रदूषण का कारण बताया जाता रहा। पर जब पराली नहीं जलती, तब भी आकाश में धुएं और धुंध की मोटी परत दिखाई देती है। ऊपर से पटाखों को जलाने से हालात और गंभीर हो जाते हैं। प्रदूषण को देखते हुए अब कहा जाने लगा है कि दिल्ली में रहने वालों की औसत आयु में से आठ साल कम हो गए हैं। ऐसे में कायदे से समाज को ही पहल करनी चाहिए कि वह वायु शुद्ध बनाए रखने में अपना योगदान दे। लेकिन भाजपा ने इसमें भी धर्म को घुसा लिया है। मानो हिंदुत्व की माला जपने वालों को शुद्ध वायु मिलेगी और बाकी दमघोंटू माहौल में रहने को अभिशप्त रहेंगे। नौबत ऐसी आ गई है कि पुलिस भी अब भाजपा के दबाव में दिख रही है। बीते 25 अक्टूबर को दिल्ली पुलिस ने से नो टू क्रैकर्स, यस टू ग्रीनर दीवाली यानी पटाखों को कहें ना, हरित दिवाली को हां और जानवरों की सुरक्षा से जुड़ा एक संदेश/वीडियो पोस्ट किया था। लेकिन 4-5 घंटों के भीतर इसे सोशल मीडिया हैंडल से हटा लिया गया। यह पहली बार नहीं है जब दिल्ली प्रशासन ने दिवाली के दौरान पटाखों को लेकर अपना रुख बदला है। 2024 की दीपावली से पहले, दिल्ली सरकार ने 1 जनवरी, 2025 तक सभी पटाखों को बनाने, बेचने, स्टोर करने और फोड़ने पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया था। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने प्रतिबंध को ठीक से लागू न करने की आलोचना की और सुझाव दिया कि सरकार इसे स्थायी करने पर विचार करे। दिसंबर 2024 में, दिल्ली सरकार ने कोर्ट को बताया कि उसने पटाखों पर साल भर का बैन लगा दिया है। लेकिन, जल्द ही स्थिति बदल गई। अप्रैल 2025 में, सुप्रीम कोर्ट ने प्रतिबंध में ढील देने से मना कर दिया, लेकिन अक्टूबर में उसने दिवाली के दौरान कुछ समय के लिए दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखे बेचने और इस्तेमाल करने की इजाज़त दे दी। कोर्ट ने कहा कि इन पटाखों को नेशनल एनवायर्नमेंटल इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट (नीरी) के तय मानक को पूरा करना होगा, और सिर्फ़ तय समय के दौरान ही इनके इस्तेमाल की इजाज़त दी। दिल्ली सरकार और केंद्र ने इस ढील का समर्थन किया। उस समय शहर का एक्यूआई लगभग 500 तक पहुंच गया, जो गैस चेंबर जैसा खतरनाक था। अब भी हालात उसी दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

> 66
> भाजपा के लिए पंजाब हमेशा से एक कठिन राजनीतिक मैदान रहा है, विशेष रूप से तीन कृषि कानूनों के विरोध में हुए किसान आंदोलनों के बाद से ग्रामीण क्षेत्रों में पार्टी को भारी विरोध का सामना करना पड़ा था।

पंजाब की सियासत में 'कमल' की दस्तक और आम आदमी पार्टी का अंतर्विरोध

पंजाब विधानसभा चुनाव 2027 की तारीखें अभी आधिकारिक तौर पर घोषित नहीं हुई हैं, लेकिन राज्य की राजनीतिक बिसात पर शह और मात का खेल अपने चरम पर पहुंच चुका है। आम आदमी पार्टी द्वारा 31 अक्टूबर 2026 को अपने 40 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी किए जाने के ठीक बाद, पार्टी के भीतर सुलग रही असंतोष की चिंगारी एक बड़े विस्फोट में बदल गई है। अमृतसर नॉर्थ से विधायक और पूर्व आईपीएस अधिकारी कुंवर विजय प्रताप सिंह, समाना से विधायक व पूर्व स्वास्थ्य मंत्री चेतन सिंह जौड़ामाजरा, और सनौर से विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा का एक साथ पाला बदलकर भारतीय जनता पार्टी में शामिल होना केवल तीन विधायकों का इस्तीफा नहीं है, बल्कि यह भगवंत मान सरकार और आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के लिए एक गहरा राजनीतिक और नैतिक झटका है। नई दिल्ली में भाजपा के केंद्रीय कार्यालय में 2 नवंबर 2026 को जिस तरह इन नेताओं को पार्टी की सदस्यता दिलाई गई, उसने इस चर्चा को फिर से हवा दे दी है कि क्या पंजाब में भी भाजपा का बहुचर्चित 'ऑपरेशन लोटस' पूरी ताकत से सक्रिय हो चुका है। इस राजनीतिक उठापटक को समझने के लिए इसके कालक्रम और पृष्ठभूमि को देखना अनिवार्य है। विपक्षी खेमे और राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, पंजाब में आम आदमी पार्टी को कमजोर करने या सत्ता परिवर्तन की इस पटकथा की शुरुआत हाल-फिलहाल में नहीं हुई, बल्कि इसकी जड़ें काफी गहरी हैं। मार्च 2024 और उसके बाद के महीनों में जब आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसदों का एक बड़ा धड़ा, जिसमें राघव चड्ढा और डॉ. संदीप पाठक जैसे प्रमुख चेहरे शामिल थे, धीरे-धीरे पार्टी लाइनों से दूर हुआ और बाद में 7 राज्यसभा सांसदों के एक गुट ने तकनीकी रूप से भाजपा के साथ विलय का रास्ता चुना, तभी से पंजाब की सत्ताधारी पार्टी के भीतर दरारें साफ दिखाई देने लगी थीं। उस समय भी मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इसे 'गद्दारी' करार दिया था और केंद्रीय एजेंसियों के दबाव में किया गया दलबदल बताया था। इसके बाद जब भगवंत मान सरकार ने जालंधर में अपना शक्ति प्रदर्शन करने के लिए विधायकों की बैठक बुलाई, तो 94 विधायकों में से केवल 65 विधायक ही वहां पहुंचे। यह इस बात का स्पष्ट संकेत था कि पार्टी के लगभग 29 विधायक या तो नेतृत्व से नाराज थे या किसी अन्य

राजनीतिक विकल्प की तलाश में थे। अब, नवंबर 2026 की शुरुआत में तीन सिटिंग विधायकों का इस्तीफा देना इसी सिलसिले की अगली और अधिक आक्रामक कड़ी है। संसदीय लोकतंत्र में जब भी किसी राज्य में सत्ताधारी दल के विधायक विपक्षी दल में शामिल होते हैं, तो सत्ता पक्ष द्वारा इसे 'ऑपरेशन लोटस' की संज्ञा दी जाती है। आम आदमी पार्टी का आरोप है कि भाजपा धनबल, बाहुबल और केंद्रीय जांच एजेंसियों जैसे प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआई के डर का इस्तेमाल कर लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकारों को अस्थिर करने का प्रयास कर रही है। देश के राजनीतिक इतिहास में कर्नाटक, मध्य प्रदेश और गोवा जैसे राज्यों में सरकारों का गिरना या विधायकों का बड़े पैमाने पर दलबदल करना इस रणनीति का हिस्सा माना जाता रहा है। पंजाब के संदर्भ में भी, तीन विधायकों के भाजपा में जाने के बाद आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत मान ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उनका तर्क है कि पंजाब की जनता ने 2022 में आम आदमी पार्टी को 92 सीटों का प्रचंड बहुमत देकर बदलाव की जो जिम्मेदारी सौंपी थी, भाजपा उसे चोर दरवाजे से हथियाना चाहती है। हालांकि, इस सिक्के का दूसरा पहलू भी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पार्टी छोड़ने वाले विधायकों ने जो आरोप लगाए हैं, वे केवल राजनीतिक अवसरवाद की कहानी नहीं कहते, बल्कि वे शासन और प्रशासन की गंभीर विफलताओं की ओर इशारा करते हैं। इस्तीफा देने वाले तीनों नेताओं—कुंवर विजय प्रताप, चेतन सिंह जौड़ामाजरा और हरमीत सिंह पठानमाजरा—ने मीडिया के सामने आकर अपनी ही सरकार को कटघरे में खड़ा किया है। कुंवर विजय प्रताप सिंह, जिन्होंने 2015 के कोटकपूरा और बहबल कलां गुरु ग्रंथ साहिब बेअदबी मामले की जांच करने वाली एसआईटी का नेतृत्व किया था, लंबे समय से आम आदमी पार्टी की कार्यप्रणाली से असंतुष्ट चल रहे थे। उनका आरोप है कि जिस बेअदबी मामले को सुलझाने और दोषियों को सजा दिलाने के वादे पर आम आदमी पार्टी सत्ता में आई थी, उस पर मान सरकार ने जानबूझकर ढीली पैरवी की और राजनीति की। इसके अतिरिक्त, उन्होंने पंजाब के 'स्कूल्स ऑफ एमिनेंस' के दावों पर सवाल उठाए और राज्य में फैले माफिया राज की निंदा की। वहीं, पूर्व मंत्री चेतन सिंह जौड़ामाजरा और हरमीत सिंह पठानमाजरा ने सीधे तौर पर पंजाब में बढ़ते नशे (चिट्टा) के कारोबार, कानून-व्यवस्था के ध्वस्त होने, बेलगाम गैंगस्टर संस्कृति और राज्य पर बढ़ते ढाई लाख करोड़ रुपये के कर्ज को अपनी नाराजगी का कारण बताया।

इन नेताओं का सबसे गंभीर आरोप यह है कि पंजाब की चुनी हुई सरकार को चंडीगढ़ से नहीं, बल्कि दिल्ली में बैठे कुछ खास लोगों और उनके सलाहकारों (जैसे विभव कुमार) द्वारा चलाया जा रहा है, जिससे स्थानीय विधायकों और मंत्रियों की गरिमा को ठेस पहुंची है। इस मोड़ पर यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आने वाले दिनों में आम आदमी पार्टी के कितने और विधायक या नेता भाजपा का दामन थाम सकते हैं? राजनीतिक गलियारों और खुफिया रिपोर्टों में यह चर्चा आम है कि आम आदमी पार्टी के कम से कम 20 से 30 विधायक भाजपा और कांग्रेस के संपर्क में हैं। विशेष रूप से वे विधायक, जिन्हें डर है कि 2027 के चुनावों में उनका टिकट काटा जा सकता है, या जो भगवंत मान की कार्यशैली से लंबे समय से असंतुष्ट हैं, वे बहुत जल्द बड़ा कदम उठा सकते हैं। भाजपा के पंजाब प्रभारी सतीश पूनिया और राज्य इकाई के अध्यक्ष के अनुसार, यह केवल शुरुआत है और आने वाले दिनों में आम आदमी पार्टी के कई और बड़े चेहरे भाजपा में शामिल होंगे क्योंकि 'झाड़ू' का कुनबा पूरी तरह बिखर चुका है। पार्टी के भीतर असंतोष का मुख्य कारण टिकट वितरण की नीति और हाल ही में किए गए संगठनात्मक बदलाव हैं।

अशोक भाटिया

आशीष भारती वर्तमान...

कुमार कृष्णन

पदक से आगे : बिहार पुलिस की असली कसौटी

बिहार पुलिस के सात अधिकारियों और कर्मियों को केंद्रीय गृह मंत्री दक्षता पदक से सम्मानित किया जाना केवल विभागीय उपलब्धि का विषय नहीं है। यह अवसर पुलिस व्यवस्था की बदलती भूमिका, अपराध अनुसंधान में पेशेवर दक्षता और लोकतांत्रिक समाज में पुलिस की सामाजिक जवाबदेही पर विचार करने का भी है। किसी पुलिस अधिकारी की सफलता केवल अपराधियों की गिरफ्तारी या किसी जटिल मामले के खुलासे से नहीं मापी जा सकती। उसकी असली कसौटी यह है कि वह कानून के शासन को कितना मजबूत करता है, आम नागरिकों में कितना भरोसा पैदा करता है और समाज के कमजोर तबकों को न्याय दिलाने में कितनी संवेदनशीलता दिखाता है। गृह मंत्रालय ने 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर इन पदकों की घोषणा की। बिहार से सम्मानित होने वालों में दो आईपीएस अधिकारी आशीष भारती और स्वीटी सहरावत के अलावा अपर पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार पांडेय, पुलिस उपाधीक्षक संतोष कुमार राय, निरीक्षक राजकिशोर कुमार और धनंजय कुमार निर्दोष तथा अवर निरीक्षक पंचम कुमार शामिल हैं। इनका चयन अनुसंधान, विशेष अभियान, असाधारण कार्यकुशलता, खुफिया जानकारी, साहस और

फॉरेंसिक विज्ञान जैसे क्षेत्रों में योगदान के लिए किया गया है। यह सम्मान पुलिस संगठन के विभिन्न स्तरों पर काम करने वाले अधिकारियों और कर्मियों की भूमिका को रेखांकित करता है। आज अपराध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। संगठित आपराधिक गिरोह, साइबर अपराध, वित्तीय धोखाधड़ी, मानव तस्करी और अंतरराज्यीय आपराधिक नेटवर्क पुलिस के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर रहे हैं। डिजिटल तकनीक ने अपराध के तौर-तरीकों को जटिल बनाया है। ऐसे समय में पुलिस की दक्षता का मूल्यांकन केवल अपराधियों की गिरफ्तारी की संख्या से नहीं किया जा सकता। इसके लिए खुफिया सूचनाओं की विश्वसनीयता, साक्ष्यों का वैज्ञानिक संकलन, अनुसंधान की गुणवत्ता और अदालत में आरोपों को प्रमाणित करने की क्षमता भी जरूरी है। आईपीएस अधिकारी आशीष भारती को रोहतास जिले में वर्ष 2022 में दर्ज अपहरण और फिरौती के एक मामले के सफल अनुसंधान के लिए सम्मानित किया गया है। उस समय वे रोहतास के पुलिस अधीक्षक थे। इस मामले में अपहृत व्यक्ति को 72 घंटे के भीतर बिना फिरौती दिए सुरक्षित मुक्त करा लिया गया था। आगे की जांच में अंतरजिला और अंतरराज्यीय आपराधिक नेटवर्क की संलिप्तता सामने आई। इस मामले में दस आरोपित गिरफ्तार किए गए और वर्ष 2025 में उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई।

यह घटना पुलिस अनुसंधान के दो महत्वपूर्ण पक्षों को सामने लाती है। पहला, संकट की स्थिति में त्वरित कार्रवाई करके किसी नागरिक का जीवन बचाना और दूसरा, अपराध के पीछे सक्रिय पूरे नेटवर्क को उजागर कर न्यायिक प्रक्रिया तक पहुंचाना। किसी अपहृत व्यक्ति की सुरक्षित वापसी पुलिस की बड़ी जिम्मेदारी है, लेकिन उसके बाद साक्ष्यों को इस तरह प्रस्तुत करना भी जरूरी है कि अपराधियों को कानून के अनुसार सजा मिल सके। गिरफ्तारी अपने आप में न्याय नहीं है। न्याय तब पूरा होता है, जब निष्पक्ष और प्रमाण आधारित अनुसंधान अदालत की कसौटी पर खरा उतरता है। आशीष भारती वर्तमान में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल में पुलिस उपमहानिरीक्षक के पद पर कार्यरत हैं। उनके इस सम्मान से यह भी स्पष्ट होता है कि किसी गंभीर आपराधिक मामले में सफलता के लिए पुलिस नेतृत्व, अनुसंधानकर्ताओं, मैदानी कर्मियों और अभियोजन पक्ष के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। आईपीएस अधिकारी स्वीटी सहरावत को पटना के पाटलिपुत्र थाना क्षेत्र के नेहरू नगर में अक्टूबर 2024 में एक बुजुर्ग दंपती की दोहरी हत्या के मामले के सफल अनुसंधान के लिए सम्मानित किया गया है। उस समय वे पटना सेंट्रल की नगर पुलिस अधीक्षक थीं। अनुसंधान के दौरान आरोपित की पहचान और गिरफ्तारी हुई तथा न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से मामले का सफल निष्पादन हुआ।

इसी मामले में अपर पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार पांडेय को भी उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। यह मामला बताता है कि गंभीर अपराधों के अनुसंधान में नेतृत्व के साथ सामूहिक प्रयास कितना महत्वपूर्ण है। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने, परिस्थितिजन्य तथ्यों का विश्लेषण करने, संदिग्धों की पहचान करने और जांच की प्रत्येक कड़ी को जोड़ने में पूरी टीम की भूमिका होती है। पुलिस की उपलब्धियों का श्रेय केवल किसी एक अधिकारी को नहीं दिया जा सकता। थाने में तैनात कर्मियों से लेकर वरिष्ठ अधिकारियों तक प्रत्येक स्तर पर पेशेवर जिम्मेदारी का निर्वहन आवश्यक है।

वे इस तथ्य पर...

राकेश सैन

कांग्रेस की रैली - 'खाली खाली कुर्सियां, खाली खाली तम्बू हैं' और भेजा ...?

फिल्म मेरा नाम जोकर के गीत 'खाली-खाली कुर्सियां हैं, खाली खाली तम्बू हैं' के गीतकार गोपालदास 'नीरज' अगर 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में हुई कांग्रेस की रैली को देखते तो वहां की खाली कुर्सियां व खाली तम्बू देख कर वैचारिक पक्ष से लिख रहे होते कि 'खाली खाली भेजा है।' रैली में किसी भी नेता द्वारा ऐसी कोई तथ्यात्मक बात नहीं कही गई जिससे यह साबित होता हो कि वोटों की चोरी हुई है और एसआईआर में गड़बड़ी है। जो जो बातें बोली गईं, चुनाव आयुक्त, प्रधानमंत्री व गृहमंत्री को लेकर जो जो अपशब्द बोले गए, वो सब पिछले कई महीनों से गढ़े जा रहे झूठे नैरेटिव के प्रयासों से अतिरिक्त कुछ नहीं था। शायद यही कारण है कि न तो देशवासियों ने इस रैली से पहले विपक्ष को गंभीरता से लिया और न ही बाद में इन बातों पर ध्यान दे रहा है। कांग्रेस चाहे इस रैली को लेकर कितनी भी उत्साहित नजर आए परंतु यह तो सच्चाई है कि रैली में उमड़ी भीड़ दस लाख के दावे के मुकाबले कहीं अधिक कम रही। रही सही कसर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजु ने यह दावा करके पूरी कर दी है कि कांग्रेस जिन तस्वीरों से रैली की भीड़ दिखा रही है वह कृत्रिम बुद्धिमता से तैयारी की गई है। रैली के दौरान व इससे पूर्व कथित जनसंसद में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने 2024 के लोकसभा चुनावों को जिस तरीके से अवैध बताया इससे तो उन्होंने अपने नेता पद को भी अवैधानिक घोषित कर दिया है। दुनिया के राजनीतिक इतिहास में शायद ही ऐसा कभी हुआ हो कि संवैधानिक पद पर विराजमान किसी नेता ने अपने ही पद को अवैध घोषित किया हो। अब प्रश्न है कि अगर उनका पद ही अवैध है तो वे इस पद से अभी तक चिपके हुए क्यों हैं? वैसे तो नेता प्रतिपक्ष कई महीनों से वोट चोरी का झूठ फैला रहे हैं परंतु कांग्रेस को वोट चोरी का अपना अभियान तेज करने का मौका कुछ दिन पहले की उस खबर से मिला, जिससे यह संदेश देने की कोशिश की गई थी कि एसआइआर के मामले में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार दोनों चुनाव आयुक्तों की आपत्तियों पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। हालांकि चुनाव आयोग ने सर्वोच्च न्यायालय में शपथपत्र देकर स्पष्ट रूप से कहा कि एसआइआर पर सभी फैसले तीनों चुनाव आयुक्तों की सहमति से हुए। इसके बाद भी विपक्षी दल अपने इस हठ पर कायम हैं कि वोट चोरी हो रही है। वे इस तथ्य पर भी ध्यान देने के लिए तैयार नहीं कि जिन 13 करोड़ लोगों के नाम वोटर लिस्ट हटाए गए हैं, वे उनके हैं जो अन्यत्र जा बसे हैं या जिनकी मृत्यु हो गई है अथवा जिनके नाम दो-तीन जगह दर्ज थे। सच यह भी है कि 13 करोड़ लोगों का नाम हटाने का फैसला अंतिम नहीं है और वैध मतदाता अपना नाम वोटर लिस्ट में अभी भी शामिल करा सकते हैं। इतना होने के बावजूद उक्त रैली की कुर्सियां व तम्बू खाली होने के साथ-साथ वैचारिक रूप से भेजा खाली होना न कहा जाए तो क्या कहें?

जरा हटके

अब समय आ गया...

मृगांक एम. भौमिक

अशांति की जड़ में नौकरियां, भोजन और भविष्य-किधर जा रहा भारत?

पिछले 50 वर्षों में, चीन में लोगों की संख्या की तुलना में रोजगार के अवसर तेजी से बढ़े हैं, जबकि भारत में अच्छी नौकरियों की तुलना में लोगों की संख्या तेजी से बढ़ी है। अब से, यह केवल रोजगार सृजन की योजना नहीं होगी, बल्कि एक ऐसा स्वदेशी विकास मॉडल होगा जो भारत की आर्थिक वृद्धि को गति देगा और यहां के लोगों के लिए रोजगार व भोजन उपलब्ध कराएगा। मौजूदा राजनीतिक अशांति, अगर इसे ऐसा कहा जाए, तो यह युवाओं और मध्यम व निम्न-मध्यम वर्ग के एक बड़े हिस्से के मन में भविष्य को लेकर छाई निराशा को दर्शाती है। भारत में बड़ी संख्या में लोगों, खासकर युवाओं को यह एहसास हो गया है कि उनके कौशल का अर्थव्यवस्था में कोई खास उपयोग नहीं है। दुनिया पहले ही ऑटोमेशन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की दिशा में आगे बढ़ चुकी है, जहां वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन ही मुख्य आधार है। जीडीपी के उत्पादन में मानवीय श्रम धीरे-धीरे अप्रासंगिक होता जा रहा है, क्योंकि यहां का अधिकांश श्रम बल या तो अकुशल है या फिर अर्ध-कुशल। इतनी विशाल आबादी को 2050 तक ले जाना और साथ ही राजनीतिक व सामाजिक एकजुटता बनाए रखना, एक बेहद कठिन चुनौती है। आने वाला समय उतना अच्छा नहीं है, जितना कि सोशल मीडिया रीलों और सरकारी विज्ञापनों में दिखाया जाता है। भारत के सामने एक वास्तविक चुनौती खड़ी हो रही है, चाहे सत्ता में कोई भी पार्टी हो या रहे। पिछले दो दशकों में भारत सहित पूरी दुनिया में वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन बढ़ा है और संपत्ति भी पैदा हुई है, लेकिन अफ़सोस कि इसका लाभ बड़े पैमाने पर लोगों तक नहीं पहुंचा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि व्यापार और वाणिज्य में मूल्य सृजन के लिए अब इंसानों की ज़रूरत नहीं रह गई है। आप इसे राजनीतिक रूप से 'बिना नौकरियों वाला विकास' कहकर आलोचना कर सकते हैं, लेकिन असल में यह मानवीय श्रम पर तकनीक का इतना हावी हो जाना है, जिसने यह खालीपन पैदा कर दिया है। सरकार के पास अब कल्याणकारी योजनाओं के ज़रिए इतनी बड़ी आबादी का पेट भरने के अलावा कोई और विकल्प नहीं बचा है वरना, एक बड़ा मानवीय संकट खड़ा हो सकता था। अब तक, भारत के लिए यह एक सुनहरा दौर था, जब जीडीपी को बेहतर बनाने के लिए तकनीक के साथ-साथ बड़ी संख्या में श्रम शक्ति (लेबर फोर्स) की जरूरत थी- चाहे वह सॉफ्टवेयर, वित्तीय सेवाएं हों या औद्योगिक उत्पादन। अब नई तकनीक खुद को इस तरह विकसित कर रही है कि वह आर्थिक गतिविधियों में इंसानी भूमिका (जो एक अहम हिस्सा थी) की जगह ले सके, जिससे संतुलन बिगड़ गया है। ऐसे में, ऐसा लगता है कि इंसानी श्रम की - चाहे वह उच्च-मूल्य वाला हो या निम्न-मूल्य वाला - अब कोई खास मांग नहीं रह गई है। हम यह समझने की कोशिश कर सकते हैं कि चीन ने अपनी बढ़ती आबादी के बीच नौकरियों के सृजन और नीतियों को कैसे संभाला। चीन ने पिछले 50 वर्षों में अपने मानव संसाधनों का उपयोग करके और कृषि से लेकर उद्योग तक सही आर्थिक नीतियां लागू करके भारी संपत्ति का निर्माण किया। उनकी सबसे बड़ी सफलता कृषि क्षेत्र के मजदूरों को कम उत्पादकता वाले कामों से निकालकर, अधिक मूल्य पैदा करने वाले औद्योगिक कार्यों में लगाना रहा। लेकिन ऐसा किसी एक नीतिगत फैसले से नहीं हुआ। बल्कि यह चीन द्वारा लिए गए कई रणनीतिक नीतिगत फैसलों का नतीजा था। चीन ने 1978 में कृषि उदारीकरण के साथ अपने बड़े नीतिगत बदलाव की शुरुआत की। इसके बाद, देश ने एक क्रम में ग्रामीण उद्योगों का विकास किया, फिर निर्यात-आधारित विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) की ओर कदम बढ़ाया, निर्यात क्षेत्र (एक्सपोर्ट ज़ोन) बनाए, और अंत में विदेशी निवेश को आकर्षित किया। कृषि क्षेत्र से मुक्त होने वाली श्रम शक्ति को उसी गति से अधिक उत्पादकता वाले, निर्यात-आधारित औद्योगिक कार्यों में खपा लिया गया। भारी पूंजी वाले उद्योगों के बजाय, चीन ने शुरुआत में उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जहां उसकी विशाल श्रम शक्ति एक बड़ा फायदा साबित हो सकती थी। एफडीआई और निर्यात अपने साथ तकनीक, प्रबंधन और चीन के अपने उपभोक्ताओं से कहीं बड़ा बाज़ार लेकर आए। सस्ते लॉजिस्टिक्स, ऊर्जा और सप्लायर नेटवर्क ने लागत को कम कर दिया, जिससे कारखाने की हर एक नौकरी के साथ-साथ उससे जुड़े अन्य क्षेत्रों में भी कई और नौकरियां पैदा हुईं। अनुकूल आयु संरचना की बदौलत उच्च निवेश और बचत संभव हो पाई, जिसने इस विस्तार के लिए ज़रूरी फंड मुहैया कराया। 'हुकोउ' प्रणाली ने शहरों और नियोक्ताओं के लिए प्रवासियों से जुड़े सामाजिक खर्चों को कम रखा, जिससे इनपुट लागत और भी कम हो गई (हालांकि, प्रवासियों को इसके लिए एक मानवीय कीमत चुकानी पड़ी)। अगर आप इसकी तुलना भारत के सफर से करें, तो आप पाएंगे कि उसी दौर में भारत को आकार देने वाले नीतिगत फैसलों में बहुत बड़ा अंतर था। भारत ने कभी भी भूमि सुधारों और उच्च उत्पादकता वाले कृषि उदारीकरण को पूरी तरह से नहीं अपनाया, और आज भी स्थिति वैसी ही है। भारत में बड़ा नीतिगत बदलाव 1991 में उदारीकरण के साथ ही आया। इस नीति ने औद्योगिक लाइसेंसिंग को खत्म कर दिया और वैश्विक बाजार के लिए व्यापार के दरवाजे खोल दिए। लेकिन जमीन, श्रम और बिजली के क्षेत्रों में सुधार करना मुश्किल बना रहा।

श्रीकृष्ण पर टिप्पणी करने वाला मूर्ख : शंकराचार्य

धीरेंद्र शास्त्री ने कहा था- हमारे राम सीधे, तुम्हारे कृष्ण 3 जगह से टेढ़े

विवाद

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में सुमेरु पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी नरेंद्रानंद सरस्वती मंगलवार को धीरेंद्र शास्त्री पर भड़क गए। उन्होंने संवाददाता से कहा- भगवान श्रीकृष्ण और श्रीराम के बीच अंतर बताने वाले व्यक्ति से बड़ा मूर्ख और अज्ञानी शायद ही कोई होगा। शिव, कृष्ण और राम में कोई अंतर नहीं है। उन्होंने कहा- किसी कथावाचक को नशे में या किसी अन्य स्थिति में ऐसी अनर्गल टिप्पणी करने का अधिकार नहीं है। जिससे लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हों। देशद्रोही गतिविधियों में जो लिप्त हैं, उन्हें शूट कर देना चाहिए। रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में संस्कृति संसद का आज शुभारंभ हुआ। 5 नवंबर तक चलने

वाली संसद में देशभर से करीब 3000 संत और 7000 से अधिक युवा शामिल हो रहे हैं। इसमें देश-विदेश के विद्वान, वैज्ञानिक, कलाकार और शिक्षाविद हैं। भगवान श्रीकृष्ण ने तुलसीदास को अपने हाथों में धनुष-बाण धारण कर श्रीराम के स्वरूप में दर्शन दिए थे। उन्होंने कहा कि भगवान शिव, श्रीकृष्ण और श्रीराम में कोई भेद नहीं है। ये सभी अभिन्न हैं। तत्व की दृष्टि से सभी एक हैं। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्र पुरी ने कहा कि हरिद्वार और काशी ऐसी पवित्र भूमि हैं, जहां से सनातन धर्म के लिए लिया गया संकल्प पूरा होता है।

महंत रविंद्र पुरी ने कहा- भगवान के स्वरूप पर टिप्पणी नहीं करनी चाहिए

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रविंद्र पुरी ने कहा कि हर समय वाणी पर मां सरस्वती और बुद्धि पर मां लक्ष्मी की कृपा एक समान नहीं रहती। संसार के बड़े-बड़े सिद्ध और संतों से भी कभी-कभी बोलने में चूक हो जाती है।

इसे अंग्रेजी में 'लैंग्वेज स्लिप' कहा जाता है। धीरेंद्र शास्त्री का बगैर नाम लिए कहा- वे युवा हैं और हनुमान जी की उन पर विशेष कृपा है। इसलिए भगवान के स्वरूप और देवताओं को लेकर ऐसी टिप्पणी नहीं करनी चाहिए, जिससे समाज में मतभेद पैदा हों। भगवान श्रीकृष्ण ब्रह्म के अवतार हैं और उनके बारे में की गई टिप्पणी उचित नहीं है। वे एक साधु और ब्राह्मण हैं।

लेकिन भौतिक वैभव और गद्दी मिलने के बाद व्यक्ति के विचारों और व्यवहार में बदलाव आ सकता है। गद्दी पर बैठने के बाद बहुत लोगों को नीचे गिराने के लिए उनके शब्द काफी होते हैं।

उन्होंने कहा कि दिल्ली में भीड़ जुटाना आसान है। पूड़ी और पैसे देकर लोगों को इकट्ठा किया जा सकता है, लेकिन संतों को एकजुट करना आसान नहीं है। विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि दिल्ली में जो आंदोलन चल रहा है। यह देश को बांटने का काम कर रहा

शंकराचार्य स्वामी नरेंद्रानंद सरस्वती बोले- भगवान श्रीकृष्ण पर टिप्पणी करने वाला अज्ञानी

सुमेरु पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी नरेंद्रानंद सरस्वती ने धीरेंद्र शास्त्री के बयान पर आक्रोश जताया। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को अपनी मर्यादा और सीमा में रहकर बयान देना चाहिए। देवी-देवता लोगों की आस्था के केंद्र हैं। किसी कथावाचक को नशे में या किसी अन्य स्थिति में ऐसी अनर्गल टिप्पणी करने का अधिकार नहीं है। जिससे लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हों। भगवान श्रीकृष्ण और श्रीराम के बीच अंतर बताने वाले व्यक्ति से बड़ा मूर्ख और अज्ञानी शायद ही कोई होगा। करीब 500 वर्ष पहले गोस्वामी तुलसीदास जब ब्रज पहुंचे और उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन किए, तो कहा था- 'तुलसी मस्तक तब नवै, धनुष बाण ले हाथ।'

शंकराचार्य ने कहा- सरकारों की हिम्मत नहीं है कि मस्जिद-चर्च ले लें। मगर हिंदुओं का मंदिर लेकर उसका धर्म हड़पना चाहते हैं। मंदिर पर सनातनियों और हिंदुओं का अधिकार होना चाहिए। दरअसल, 29 अक्टूबर को मध्य प्रदेश के शिवपुरी में रामकथा के दौरान धीरेंद्र शास्त्री ने कहा था- हमारे राम सीधे हैं, तुम्हारे कृष्ण टेढ़े। तुम्हारे ठाकुरजी की खोपड़िया भी टेढ़ी, नाम भी टेढ़ा और चलते-खड़े भी टेढ़े होते हैं। हालांकि, मामले में विवाद के बाद धीरेंद्र शास्त्री ने अपने बयान पर माफी भी मांगी थी।

है। आंदोलन को मुस्लिम समुदाय का समर्थन मिल रहा है। इसमें वामपंथी विचारधारा से जुड़े लोग भी सक्रिय हैं। चुनावों में गाय का मुद्दा भी आएगा। गाय के मुद्दे पर अखिलेश और राहुल पर पर विश्वास कर सकते हैं क्या? अगर कोई बड़े संत केंद्र सरकार को और योगी जी को गौ माता के बारे में कठिन शब्दों का प्रयोग करें, तो यह जो सारा षड्यंत्र है। यह षड्यंत्र केवल मोदी सरकार बदलने के लिए नहीं, यह संपूर्ण व्यवस्था को बदलने के लिए है।

रास्ता बंद होने पर दरोगा से भिड़े लोग

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर में राज्यपाल के कार्यक्रम के लिए मंगलवार सुबह 8 बजे से कार्यक्रम समाप्त होने तक रूट डायवर्जन लागू किया गया था। इसके चलते बरेली मोड़ पर रास्ता बंद कर दिया गया। कुछ स्थानीय लोग आगे जाने की जिद करने लगे। इसी दौरान एक व्यक्ति की ड्यूटी पर तैनात दरोगा से बहस हो गई। घटना का करीब तीन मिनट का वीडियो मंगलवार शाम 4 बजे सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। व्यक्ति को कुछ मीटर दूर स्थित साउथ सिटी कॉलोनी जाना था। वहीं, मौके पर मौजूद कुछ अन्य लोगों को अस्पताल और कचहरी जाना था। रास्ता बंद होने के कारण वे आगे नहीं जा पा रहे थे। इस पर व्यक्ति ने पुलिसकर्मियों से बहस शुरू कर दी। वीडियो में व्यक्ति दरोगा से कहता सुनाई दे रहा है, "तुम गुंडे हो, पैसे लेकर मेरी गाड़ी निकालो।" उसने पुलिस पर पैसे लेकर दूसरे वाहनों को निकालने का भी आरोप लगाया। व्यक्ति ने कहा कि वह रातभर से जाग रहा है और अब यहां खड़ा है।

फास्ट न्यूज

लंदशहर में खाद्य विभाग ने 9 नमूने जांच को भेजे

बुलंदशहर। दीपावली से पहले खाद्य सुरक्षा विभाग ने मंगलवार शाम 5 बजे बुलंदशहर और खुर्जा के प्रतिष्ठानों से मिठाई और डेयरी उत्पादों के 9 नमूने लेकर जांच के लिए भेजे। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा और जिलाधिकारी कुमार हर्ष के आदेश पर सहायक आयुक्त (खाद्य) ममता चौधरी के निर्देशन में टीमों ने प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया।

दीपावली तक मिठाई और रेस्टोरेंट की जांच रोकने की मांग

कानपुर। कानपुर में व्यापारियों ने दीपावली तक मिठाई की दुकानों, रेस्टोरेंट और दूसरे खाद्य प्रतिष्ठानों में जांच और सैंपलिंग रोकने की मांग की है। इस संबंध में भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल ने खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (FSDA) के मंडलीय सहायक आयुक्त को ज्ञापन सौंपा। व्यापारियों ने कहा कि वे मिलावट के खिलाफ हैं और ग्राहकों को साफ-सुथरा व अच्छी गुणवत्ता वाला खाना देना चाहते हैं। लेकिन सफाई जैसी छोटी कमियों के आधार पर लाइसेंस निलंबित करने से कारोबारियों को नुकसान हो रहा है।

रामपुर के बाजार में जाम से जूझे खरीदार

रामपुर। रामपुर में दीपावली का पर्व नजदीक आते ही शहर के बाजारों में रौनक बढ़ने लगी है। मिष्ठन गंज बाजार में खरीदारी के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। इसके चलते बाजार और आसपास के चौराहों पर जाम की समस्या भी बढ़ गई है। मंगलवार दोपहर करीब तीन बजे मिष्ठन गंज चौराहे पर भीषण जाम लग गया। इस दौरान राहगीरों और वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर की अध्यक्षता में हुई बैठक में फैसला

यूपी के हर दो विकासखंड पर बनेगा फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत बनाने और खुले में शौच से मुक्त (ओडीएफ) स्थिति को स्थायी बनाए रखने के लिए सरकार ने नई कार्ययोजना तैयार की है। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज-2 के तहत प्रदेश में फीकल स्लज प्रबंधन के लिए 400 ट्रीटमेंट प्लांट बनाए जाएंगे। योजना के पहले चरण में वित्तीय वर्ष 2026-27 के दौरान सभी 75 जिलों में कुल 150 फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट (FSTP) स्थापित करने को मंजूरी दी गई है। इस संबंध में पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर की अध्यक्षता में विधानसभा स्थित उनके कक्ष कार्यालय में विभाग की गवर्निंग बॉडी की उच्चस्तरीय बैठक हुई। बैठक में ग्रामीण स्वच्छता,

जनजागरूकता और अपशिष्ट प्रबंधन से जुड़े विभिन्न प्रस्तावों पर चर्चा की गई। अधिकारियों को स्वीकृत परियोजनाओं को तय समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए गए। बैठक में एफएसटीपी के निर्माण

826 विकासखंडों के लिए 400 ट्रीटमेंट प्लांट बनाने की योजना

बैठक में ग्रामीण क्षेत्रों में फीकल स्लज के वैज्ञानिक प्रबंधन को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। इसके तहत प्रत्येक दो विकासखंड पर एक फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट बनाने का प्रावधान किया गया है। प्रदेश के कुल 826 विकासखंडों के लिए 400 एफएसटीपी का निर्माण प्रस्तावित है। योजना के पहले चरण में वित्तीय वर्ष 2026-27 के दौरान प्रदेश के सभी 75 जिलों में दो-दो प्लांट बनाए जाएंगे। इस तरह पहले चरण में कुल 150 इकाइयों के निर्माण का लक्ष्य तय किया गया है। इन प्लांटों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में सेप्टिक टैंक से निकलने वाले मल-कीचड़ का उपचार और सुरक्षित निस्तारण किया जा सकेगा।

के साथ उनके संचालन और रखरखाव को लेकर भी निर्देश दिए गए। नामित कार्यदायी संस्था यूपीपीसीएल के साथ 15 दिनों के भीतर समझौता ज्ञापन (एमओयू) की प्रक्रिया पूरी करने को कहा गया है।

पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी स्वीकृत परियोजनाओं को निर्धारित समयसीमा में पूरा किया जाए। निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए और योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी तरह की लापरवाही न हो।

भारत बौद्धिक्स 2.0 परीक्षा के लिए 5 नवंबर तक करें रजिस्ट्रेशन

यूपी के 1.60 लाख से अधिक छात्र जुड़े

तमसा संकेत, संवाददाता

उत्तर प्रदेश में भारतीय ज्ञान परंपरा (IKS) पर आधारित अखिल भारतीय 'भारत बौद्धिक्स 2.0 नेशनल एग्जामिनेशन-2026' की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। परीक्षा में विद्यार्थियों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि बढ़ाकर 5 नवंबर 2026 कर दी गई है। अब तक प्रदेश के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों से 1 लाख 60 हजार से अधिक विद्यार्थी पंजीकरण करा चुके हैं। मंगलवार को उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने लखनऊ स्थित अपने आवास से आयोजित उच्चस्तरीय वर्चुअल बैठक में परीक्षा की तैयारियों और पंजीकरण की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि शेष समय में अभियान चलाकर अधिक से अधिक छात्र-छात्राओं को इस राष्ट्रीय ज्ञान प्रतियोगिता से जोड़ा जाए। बैठक में उच्च शिक्षा मंत्री ने प्रदेश के सभी राज्य, निजी और केंद्रीय विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, कुलसचिवों, परीक्षा नियंत्रकों, प्राचार्यों और क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारियों से सक्रिय भूमिका निभाने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि प्राध्यापकों और नोडल अधिकारियों की टीमें बनाई जाएं, जो सीधे कक्षाओं तक पहुंचकर विद्यार्थियों को पंजीकरण के लिए प्रेरित करें। मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा के तहत लाखों विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। ऐसे में इस परीक्षा में भागीदारी बढ़ाने की व्यापक संभावनाएं हैं। सभी संस्थान मिलकर प्रयास करें, ताकि राष्ट्रीय स्तर पर इस प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश की सहभागिता का नया रिकॉर्ड बन सके। उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि भारत बौद्धिक्स 2.0 केवल एक प्रतियोगिता नहीं है, बल्कि देश की गौरवशाली ज्ञान परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का अभियान है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को भारत के प्राचीन दर्शन, विज्ञान, कला और बौद्धिक विरासत से परिचित कराना है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) की भावना के अनुरूप यह आयोजन जेन-जी को अपनी सांस्कृतिक और बौद्धिक विरासत से जोड़ने के साथ आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण के लिए प्रेरित करेगा। प्रतियोगिता में प्रतिभावान विद्यार्थियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन भी किया जाएगा।

भारत बौद्धिक्स परीक्षा के लिए 5 नवंबर तक करें रजिस्ट्रेशन

यूपी के 1.60 लाख छात्र अब तक जुड़े

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। भारतीय ज्ञान परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित होने वाली अखिल भारतीय 'भारत बौद्धिक्स 2.0 नेशनल एग्जामिनेशन-2026' में उत्तर प्रदेश के विद्यार्थियों की भागीदारी बढ़ाने के लिए उच्च शिक्षा विभाग ने प्रयास तेज कर दिए हैं। परीक्षा के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि बढ़ाकर 5 नवंबर 2026 कर दी गई है। अब तक प्रदेश के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों से 1 लाख 60 हजार से अधिक विद्यार्थी पंजीकरण करा चुके हैं। मंगलवार को उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने लखनऊ स्थित अपने आवास से आयोजित उच्चस्तरीय वर्चुअल बैठक में परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने प्रदेश के सभी राज्य, निजी और केंद्रीय विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, कुलसचिवों, परीक्षा नियंत्रकों, प्राचार्यों और क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अभियान चलाकर अधिक से अधिक विद्यार्थियों को परीक्षा से जोड़ें। उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रदेश में उच्च शिक्षा के अंतर्गत लाखों विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। ऐसे में इस राष्ट्रीय ज्ञान प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश की भागीदारी और बढ़ाने की पर्याप्त संभावनाएं हैं।

उन्होंने विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के प्रमुखों से कहा कि वे प्राध्यापकों और नोडल अधिकारियों की सक्रिय टीमें बनाएं। ये टीमें सीधे कक्षाओं तक पहुंचकर छात्र-छात्राओं को परीक्षा के लिए पंजीकरण कराने और इसमें शामिल होने के लिए प्रेरित करें। मंत्री ने कहा कि सभी संस्थान मिलकर प्रयास करें, ताकि राष्ट्रीय स्तर पर इस प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश की सहभागिता का नया रिकॉर्ड बन सके।

केजीएमयू में बच्ची की मौत पर साढ़े 4 घंटे बवाल

वेंटिलेटर से वार्ड में शिफ्ट करने पर उठाए सवाल, मौके पर पहुंची पुलिस

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। KGMU के पीडियाट्रिक विभाग में छह साल की बच्ची की मौत के बाद जमकर हंगामा हुआ। गुस्साए परिजनों ने डॉक्टरों पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया। रोते-बिलखते परिजन कह रहे थे कि उनकी बच्ची पहले ठीक से बोलती थी, बैठती और उठती थी। करीब डेढ़ महीने से उसका इलाज चल रहा था। परिजनों का आरोप था कि बच्ची को वेंटिलेटर से हटाकर वार्ड में शिफ्ट किया गया और इसके बाद उसकी मौत हो गई। घटना का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में परिजन डॉक्टरों पर बच्ची की जान लेने का आरोप लगाते हुए अस्पताल की व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं। बच्ची की मौत के बाद करीब साढ़े चार घंटे तक विभाग में हंगामा होता रहा। इस दौरान दूसरे मरीजों का इलाज भी प्रभावित हुआ। घटना सोमवार सुबह की है। बच्ची

की मौत के बाद परिजनों ने हंगामा शुरू कर दिया। डॉक्टर के मुताबिक, सुबह करीब 7:30 बजे सबसे पहले PRO मौके पर पहुंचे। इसके बाद MS, प्रॉक्टर और अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी पहुंच गए। डॉक्टरों का आरोप है कि परिजनों ने जूनियर डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ के साथ गाली-गलौज और हाथापाई की। स्टाफ को काम करने से रोका और खींचतान भी की। डॉक्टरों ने प्रॉक्टर को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को भी परिजनों को समझाने में करीब दो घंटे लगे। सुबह करीब 10:30 बजे तक हंगामा चलता रहा। डॉक्टर के मुताबिक, बच्ची के माता-पिता के अलावा तीन-चार अन्य परिजन भी मौजूद थे। इनमें बच्ची के मामा के भी हंगामे में शामिल होने की बात कही गई।

सुबह 5 बजे तक ठीक थी बच्ची

पीडियाट्रिक विभाग के डॉक्टर के मुताबिक, GBS में हाथ-पैर में पैरालिसिस के साथ सांस लेने में भी परेशानी हो सकती है। आरोही को शुरुआत में वेंटिलेटर पर रखा गया था। उसके बाद बच्ची PICU में थी। इसके बाद उसे सेमी प्राइवेट वार्ड में शिफ्ट किया गया। यहां सक्शन, ऑक्सीजन और मॉनिटरिंग की व्यवस्था थी। डॉक्टर के मुताबिक, सोमवार सुबह 5 बजे तक बच्ची की हालत ठीक थी। सुबह 6 बजे नर्सिंग स्टाफ वाइटल मॉनिटर करने पहुंचा तो उसे सांस लेने में परेशानी मिली।

वेंटिलेटर से हटने के बाद वार्ड में किया था शिफ्ट

जानकारी के मुताबिक, बाराबंकी निवासी आरोही को 27 सितंबर को KGMU में भर्ती कराया गया था। उसे GBS (गुइलेन-बैरे सिंड्रोम) था। डॉक्टरों के मुताबिक, इलाज के दौरान उसकी हालत में सुधार हो रहा था। 21 अक्टूबर से धीरे-धीरे वेंटिलेटर हटाने की प्रक्रिया शुरू की गई और 23 अक्टूबर से वह पूरी तरह वेंटिलेटर से बाहर थी। मौत से एक दिन पहले उसे PICU से सेमी प्राइवेट वार्ड में शिफ्ट किया गया था। सोमवार सुबह अचानक उसे सांस लेने में परेशानी हुई। डॉक्टरों ने दो से तीन घंटे तक उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली।

इलाज करने वाले डॉक्टर ने आशंका जताई कि रात में खाना खिलाने के बाद बच्ची लेटी हुई थी। इस दौरान उसे उल्टी हुई होगी और खाने का कुछ हिस्सा सांस की नली में चला गया होगा। सुबह उसकी हालत बिगड़ने पर डॉक्टरों ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन उसकी मौत हो गई। हालांकि, मौत की वजह की अभी पुष्टि नहीं हुई है।

हादसा : सिर-चेहरे में कांच घुसे, 20 हजार लीटर पानी भरा था, बहराइच मेले में हादसा

जलपरी शो का टैंक फटा, 4 बच्चों समेत 15 घायल

तमसा संकेत, एजेंसी

बहराइच। बहराइच मेले में जलपरी शो का पानी से भरा टैंक अचानक फट गया। हादसा जिस वक्त हुआ, उस वक्त 40 लोग शो देख रहे थे। टैंक फटने से 20 हजार लीटर पानी झटके से बाहर आया।

पानी के प्रेशर से कांच की दीवार टूट गई। शो में अचानक भगदड़ जैसे हालात हो गए। बच्चे पानी के बहाव में कई मीटर तक बह गए। कांच के टुकड़े चेहरे और सिर में धंस गए। 4 बच्चों समेत 15 लोग घायल हो गए।

पुलिस और आसपास के लोग सभी घायलों को नजदीकी सीएचसी ले गए। वहां से 2 बच्चों को रेफर कर दिया गया। उनके सिर-चेहरे में कांच

के कई टुकड़े धंसे हैं। हादसे में एक जलपरी भी घायल हुई है। एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह ने कहा- मेला कमेटी अध्यक्ष और जलपरी शो संचालक समेत 4 को पुलिस ने हिरासत में लिया है। 7 लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया है। पानी का प्रेशर अधिक होने के कारण टैंक फटा है। जिला मुख्यालय से 20 किमी दूर फखरपुर के खालिदपुर गांव में उर्स मेले में सोमवार रात 9 बजे हादसा हुआ। इसमें अर्श (8), बुरुऊ (7), अहद खान (8) और मोहम्मद सादिक (9) ज्यादा घायल हैं। सभी गांव के रहने वाले हैं। खालिदपुर गांव में हर साल नवंबर में दादा मियां के उर्स में 3 दिवसीय मेला लगता है। इस साल उर्स मेले में पहली बार जलपरी शो लगाया गया। जलपरी शो में एक लड़की मछली जैसी ड्रेस में पानी के टैंकर में करतब दिखाती है। टैंकर करीब 20 फीट लंबा और 10 फीट चौड़ा होता है। इसमें 20 हजार

लीटर पानी भरा था। बाहर की ओर कांच की एक दीवार होती है। फखरपुर के खालिदपुर गांव निवासी सलीम खान ने बताया कि दादामियां के उर्स में सोमवार से मेला शुरू हुआ था। मैं अपने परिवार के साथ मेला देखने गया था। इसमें जलपरी शो भी लगाया गया था। 50 रुपए का टिकट लेकर परिवार के साथ शो देखने गया। चलते शो में जब जलपरी करतब दिखा रही थी, तभी अचानक टैंक तेज आवाज के साथ फट गया। हादसे के वक्त मौके पर करीब 20-25 लोग मौजूद थे।

- **शो देख रहे बच्चों के आंख सिर और मुंह पर शीशे के टुकड़े घुस गए। चेहरे से खून निकलने लगा। मां-बाप ने उन्हें जैसे-तैसे संभाला।**
- **मेले में करीब 2 से 3 हजार लोग मौजूद थे, जबकि 40 लोग जल परी शो देख रहे थे। हादसा होते ही भगदड़ जैसे हालात हो गए।**
- **बहराइच मेले में यही जलपरी शो है, जिसका टैंक सोमवार शाम को फट या।**

बरेली कॉलेज में जीआईएस कार्यशाला

प्रतिभागियों ने सीखी मैपिंग और डिजिटल मानचित्र बनाने की तकनीक

तमसा संकेत, संवाददाता

बरेली। बरेली कॉलेज में आयोजित तीन दिवसीय जीआईएस (GIS) एवं रिमोट सेंसिंग कार्यशाला के दूसरे दिन विद्यार्थियों, शोधार्थियों और शिक्षकों को आधुनिक भू-स्थानिक तकनीकों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों ने भौगोलिक डेटा डाउनलोड करने, उसका विश्लेषण करने और डिजिटल मानचित्र तैयार करने की तकनीक सीखी। यह कार्यशाला बरेली कॉलेज के पर्यावरण विज्ञान विभाग और एनवायरनमेंट, एग्रीकल्चर एंड एजुकेशन सोसाइटी (EAES) की ओर से संयुक्त रूप से आयोजित की जा रही है। दूसरे दिन विशेषज्ञ प्रशिक्षक श्रुति सक्सेना ने रिमोट सेंसिंग और जीआईएस की विभिन्न तकनीकों के बारे में विस्तार से बताया। ArcGIS सॉफ्टवेयर से दिया गया व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रशिक्षण सत्र में श्रुति सक्सेना ने प्रतिभागियों को मैपिंग की प्रक्रिया समझाई। उन्होंने बताया कि विभिन्न ऑनलाइन स्रोतों से भौगोलिक डेटा

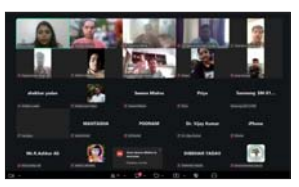

किस तरह डाउनलोड किया जाता है और उसका विश्लेषण कैसे किया जा सकता है। इसके साथ ही प्रतिभागियों को ArcGIS सॉफ्टवेयर में शेपफाइल तैयार करने और मानचित्र को जियोरेफरेंस करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान उन्होंने तकनीकी प्रक्रियाओं को स्वयं समझा और विशेषज्ञ से सवाल पूछकर अपनी शंकाओं का समाधान भी प्राप्त किया। सत्र के अंत में प्रश्नोत्तर कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। पर्यावरण और आपदा प्रबंधन में उपयोगी है GIS तकनीक कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों, शोधार्थियों और शिक्षकों को आधुनिक भू-स्थानिक तकनीकों से परिचित कराना है। इसके जरिए पर्यावरण अध्ययन, प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन और वैज्ञानिक अनुसंधान में जीआईएस एवं रिमोट सेंसिंग की उपयोगिता समझाई जा रही है। आयोजन सचिव और पर्यावरण विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. जसपाल सिंह ने बताया कि वर्तमान समय में जीआईएस और रिमोट सेंसिंग का महत्व लगातार बढ़ रहा है। पर्यावरणीय अनुसंधान, जल संसाधन प्रबंधन, कृषि और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में इन तकनीकों का व्यापक उपयोग होता है। ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यार्थियों को तकनीकी रूप से दक्ष बनाने में मददगार साबित होते हैं। कार्यशाला के संरक्षक बरेली कॉलेज प्रबंध समिति के सचिव देव मूर्ति, प्राचार्य प्रो. ओपी राय और उपप्राचार्य प्रो. वंदना शर्मा हैं। कार्यशाला का समन्वयन प्रो. गौरव भूषण और प्रो. निष्ठा सेठ कर रहे हैं। पंजीकरण समन्वयक की जिम्मेदारी प्रो. अनामिका अग्रवाल और प्रबंधन समन्वयक की जिम्मेदारी डॉ. योगेश शर्मा संभाल रहे हैं। पर्यावरण विज्ञान विभाग के आईटी सेल के छात्र-छात्राओं ने तकनीकी सहयोग दिया।

संजय सिंह को गोवर्धन और साक्षी शर्मा को छाता की जिम्मेदारी, आदेश लागू

पांच एसडीएम के कार्यक्षेत्र बदले

बदलाव

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। जिले की प्रशासनिक और न्यायिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में बड़ा बदलाव किया है। जिलाधिकारी ने एसडीएम स्तर के पांच अधिकारियों की जिम्मेदारियों में फेरबदल करते हुए उन्हें नई तैनाती दी है। इस बदलाव के तहत गोवर्धन, छाता, महावन और मथुरा सदर तहसील में प्रशासनिक एवं न्यायिक पदों पर अधिकारियों की अदला-बदली की गई है। डीएम की ओर से जारी आदेश के अनुसार सभी अधिकारियों की नई तैनाती तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है। इस प्रशासनिक फेरबदल में गोवर्धन

तहसील को लेकर विशेष बदलाव किया गया है। यहां एसडीएम और उप जिलाधिकारी न्यायिक के पदों पर तैनात अधिकारियों की जिम्मेदारियां आपस में बदली गई हैं। वहीं, मथुरा मुख्यालय में उप जिलाधिकारी न्यायिक के पद पर तैनात अधिकारी को छाता तहसील में एसडीएम बनाया गया है। छाता में एसडीएम की जिम्मेदारी संभाल रहे अधिकारी को महावन में न्यायिक कार्यों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा महावन में तैनात उप जिलाधिकारी न्यायिक को मथुरा सदर तहसील भेजा गया है। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह की ओर से जारी स्थानांतरण आदेश के अनुसार प्रशिक्षु सहायक मजिस्ट्रेट सलोनी गौतम को एसडीएम गोवर्धन के पद से हटाया गया है। उन्हें गोवर्धन तहसील में ही उप जिलाधिकारी न्यायिक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अब वह इस पद पर रहते हुए तहसील के न्यायिक कार्यों का निस्तारण करेंगी। सलोनी गौतम की जगह गोवर्धन में उप जिलाधिकारी न्यायिक के पद पर तैनात संजय सिंह को एसडीएम गोवर्धन बनाया गया है। इस बदलाव के बाद संजय सिंह के पास गोवर्धन तहसील की प्रशासनिक जिम्मेदारी होगी। वह एसडीएम के रूप में तहसील क्षेत्र में प्रशासनिक व्यवस्था, राजस्व संबंधी कार्यों और शासन के निर्देशों के अनुपालन से जुड़े दायित्वों का निर्वहन करेंगे। गोवर्धन तहसील में किए गए इस बदलाव के तहत दोनों अधिकारियों के पदों की जिम्मेदारियां बदल दी गई हैं। एक ओर सलोनी गौतम को न्यायिक कार्यों की जिम्मेदारी दी गई है, वहीं संजय सिंह को तहसील की प्रशासनिक कमान सौंपी गई है। प्रशासनिक फेरबदल के तहत मथुरा में उप जिलाधिकारी न्यायिक के पद पर तैनात साक्षी शर्मा को छाता तहसील का एसडीएम नियुक्त किया गया है। अब वह छाता तहसील में प्रशासनिक जिम्मेदारियां संभालेंगी। उनके कार्यक्षेत्र में बदलाव के बाद छाता तहसील में एसडीएम के पद पर नई तैनाती की गई है। साक्षी शर्मा के स्थानांतरण से छाता तहसील में प्रशासनिक व्यवस्था की जिम्मेदारी नए अधिकारी को सौंपने का रास्ता साफ हुआ है। एसडीएम के तौर पर उन्हें तहसील क्षेत्र में राजस्व और प्रशासन से जुड़े कार्यों की निगरानी करनी होगी। इसके साथ ही शासन और जिला प्रशासन की ओर से जारी निर्देशों के अनुपालन की जिम्मेदारी भी उनके कार्यक्षेत्र में रहेगी। छाता तहसील में एसडीएम के पद पर तैनात अखिलेश कुमार का भी कार्यक्षेत्र बदल दिया गया है। जिलाधिकारी के आदेश के अनुसार उन्हें महावन तहसील में उप जिलाधिकारी न्यायिक नियुक्त किया गया है। अब अखिलेश कुमार महावन में न्यायिक पद की जिम्मेदारी संभालेंगे। इससे पहले वह छाता तहसील में एसडीएम के रूप में प्रशासनिक दायित्व निभा रहे थे। नई तैनाती के बाद उनका कार्यक्षेत्र प्रशासनिक पद से बदलकर न्यायिक पद हो गया है।

अश्वनी कुमार को महावन से सदर तहसील भेजा गया

इसी प्रशासनिक फेरबदल में महावन तहसील में उप जिलाधिकारी न्यायिक के पद पर तैनात अश्वनी कुमार को भी नई जिम्मेदारी दी गई है। उन्हें महावन से स्थानांतरित कर मथुरा सदर तहसील में उप जिलाधिकारी न्यायिक बनाया गया है। अब वह सदर तहसील में न्यायिक कार्यों की जिम्मेदारी संभालेंगे। अश्वनी कुमार के स्थानांतरण के बाद महावन में उप जिलाधिकारी न्यायिक का पद अखिलेश कुमार को सौंपा गया है। इस तरह महावन और सदर तहसील में भी न्यायिक अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया गया है। इस फेरबदल के जरिए जिले की अलग-अलग तहसीलों में अधिकारियों की नई जिम्मेदारियां निर्धारित की गई हैं।

डीएम ने राजीव भवन का किया औचक निरीक्षण

जनसुनवाई में लापरवाही पर चेताया

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने मंगलवार को राजीव भवन स्थित विभिन्न कार्यालयों एवं पटलों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को साफ-सफाई, अभिलेखों के रखरखाव और शासकीय कार्यों में पारदर्शिता एवं समयबद्धता बनाए रखने के निर्देश दिए। डीएम ने प्रतिदिन सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक कार्यालयों में उपस्थित रहकर जनसुनवाई करने को कहा। उन्होंने राजीव भवन परिसर के पार्क को हरा-भरा बनाने, रेलिंग लगवाने और जर्जर फर्नीचर हटाने के निर्देश भी दिए। इस दौरान सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। डीएम ने स्वयं सहायता समूहों द्वारा संचालित प्रेरणा कैंटीन की सराहना करते हुए अस्पतालों में भी ऐसी कैंटीन खुलवाने की बात कही।

फास्ट न्यूज

मुंबई से गोरखपुर आने वाली फ्लाइट कैंसिल...रनवे पर लेटे यात्री

गोरखपुर। मुंबई से गोरखपुर आने वाली स्पाइसजेट की फ्लाइट SG 553 एक नवंबर को अचानक रद्द हो गई। इससे नाराज यात्रियों ने एयरपोर्ट पर हंगामा किया।
कुछ यात्री विमान के पास ही रनवे पर सोने लगे। इनमें से एक महिला ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। महिला यात्री ने कहा- मैंने जिंदगी में कभी नहीं सोचा था।

चैतन्य महाप्रभु की बावड़ी को मुक्त कराने की मांग

मथुरा। वृंदावन के रमणरेती क्षेत्र स्थित चित्रकूट आश्रम में चल रही चैतन्यचरितामृत कथा के मंच से श्रीकृष्ण जन्मभूमि का मुद्दा उठाया गया।
मंच से कहा गया कि जिस बावड़ी में चैतन्य महाप्रभु ठहरे थे उस पर आज कब्जा है। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के अध्यक्ष एवं श्रीकृष्ण जन्मभूमि केस के हिंदू पक्षकार महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट ने कहा कि वर्ष 1515 में मथुरा आगमन के दौरान चैतन्य महाप्रभु जिस बावड़ी में ठहरे थे, वह भी आज कब्जे में है। इस ऐतिहासिक स्थल को कब्जा मुक्त कराया जाना चाहिए।

कानपुर से बिहार-झारखंड तक असलहों की सप्लाई

कानपुर। कानपुर के असलहा विक्रेता सेफ कस्टडी के नाम पर अवैध बिक्री का खेल खेल रहे हैं। इसी नियम के चलते शस्त्र विक्रेता बड़ी संख्या में असलहा और कारतूस अपराधियों को बेच देते हैं। सोमवार को कानपुर पुलिस ने हैरिस गन हाउस की जांच की तो इस खेल का खुलासा हुआ। जांच में सामने आया कि गन हाउस संचालक ने 5 माह में 153 नई।

ग्रीन एनर्जी का बड़ा केंद्र बनेगा यूपी

दिल्ली समिट में ए.के. शर्मा ने पेश की कार्ययोजना

तमसा संकेत, संवाददाता

नई दिल्ली। नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश अपनी भागीदारी और निवेश की संभावनाओं को विस्तार देने की तैयारी में है। नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित भारत रिन्यूएबल एनर्जी समिट एवं एक्सपो-2026 में प्रदेश ने अपनी ऊर्जा परियोजनाओं, उपलब्धियों और भावी योजनाओं को प्रदर्शित किया। इस दौरान उत्तर प्रदेश सरकार के ऊर्जा एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा कि प्रदेश स्वच्छ और हरित ऊर्जा के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मंत्री ए.के. शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऊर्जा आत्मनिर्भरता और स्वच्छ ऊर्जा के संकल्प को जमीन पर उतारने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में सौर ऊर्जा, बायोएनर्जी और नवीकरणीय ऊर्जा के अन्य स्रोतों का विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना, पीएम-कुसुम, सोलर सिटी और यूटिलिटी स्केल सोलर परियोजनाओं के माध्यम से स्वच्छ ऊर्जा को आम लोगों, किसानों और उद्योगों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

रिटायर्ड दरोगा से 1.55 लाख की ठगी

साइबर जालसाजों ने सेविंग अकाउंट से उड़ाई रकम, एफआईआर दर्ज

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। साइबर अपराधियों ने अब उत्तर प्रदेश पुलिस के सेवानिवृत्त अधिकारियों को भी निशाना बनाना शुरू कर दिया है। गोरखपुर के कैंट थाना क्षेत्र में साइबर ठगों ने एक रिटायर्ड सब-इंस्पेक्टर (SI) के बैंक खाते से 1 लाख 55 हजार 499 रुपये की धोखाधड़ी कर ली। जालसाजों ने महज दो दिनों के भीतर UPI के माध्यम से दो बार में खाते से रकम निकाल ली। पीड़ित ने घटना के बाद पुलिस से शिकायत की थी, लेकिन करीब दो महीने तक कार्रवाई की जानकारी नहीं मिलने पर उन्होंने दोबारा तहरीर दी। इसके बाद मंगलवार को पुलिस ने अज्ञात साइबर अपराधियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित राम निरंजन गोरखपुर की दिव्य नगर कॉलोनी में रहते हैं। वह उत्तर प्रदेश पुलिस विभाग में उपनिरीक्षक के पद पर तैनात रहे हैं और सेवानिवृत्त हो चुके हैं। उनका बचत खाता यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की 26वीं वाहिनी पीएसी, गोरखपुर शाखा में है। पीड़ित के मुताबिक, साइबर अपराधियों ने इसी बैंक खाते को निशाना बनाकर उनके साथ धोखाधड़ी की। पीड़ित का कहना है कि उन्होंने घटना के करीब दो महीने पहले ही कैंट थाने में शिकायत दी थी। हालांकि, उन्हें पुलिस की ओर से की गई कार्रवाई के संबंध में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिली। इसके बाद उन्होंने दोबारा थाने पहुंचकर तहरीर दी और पूरे मामले से पुलिस को अवगत कराया। लगातार शिकायत के बाद मंगलवार को पुलिस ने अज्ञात जालसाजों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। अब पुलिस मामले की जांच-पड़ताल में जुटी है।

मानसिक रूप से परेशान चल रहे दरोगा

इस संबंध में उन्होंने 31 अगस्त 2026 को ही थाना कैंट में लिखित शिकायत दी थी, लेकिन अभी तक शिकायत पर की गई कार्रवाई और जांच की प्रगति के संबंध में कोई जानकारी प्राप्त नहीं हुई। रिटायर्ड एसआई ने बताया कि इस घटना से गंभीर आर्थिक नुकसान और मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।
22 अक्टूबर 2026 को उन्होंने दोबारा थाना प्रभारी निरीक्षक कैंट को प्रार्थना पत्र दिया। इसमें मांग की गई कि यदि एफआईआर दर्ज नहीं हुई है तो केस दर्ज कर संबंधित UPI लेन-देन और धनराशि प्राप्त करने वाले बैंक खातों की जांच कराई जाए। दोषियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करते हुए धनराशि वापस दिलाई जाए। तहरीर के आधार पर कैंट पुलिस ने सूचना प्रौद्योगिकी (संशोधन) अधिनियम 2008 की धारा 66D के तहत अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया है। इसकी जांच निरीक्षक जितेन्द्र कुमार सिंह को सौंपी गई है।

पुलिस का कहना है कि यूपीआई रेफरेंस नंबरों के आधार पर ट्रांजेक्शन की जांच की जा रही है। जिन खातों में पैसा गया है, उनका विवरण बैंकों से मांगा गया है।

दो दिनों में दो बार खाते से निकाली रकम

राम निरंजन ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि 27 अगस्त 2026 को उनके बैंक खाते से UPI के माध्यम से 99 हजार 999 रुपये निकाल लिए गए।
इसके अगले ही दिन यानी 28 अगस्त को खाते से दोबारा 55 हजार 500 रुपये की अवैध निकासी कर ली गई। इस तरह दो दिनों में उनके खाते से कुल 1 लाख 55 हजार 499 रुपये निकाल लिए गए।

'गटर जनरेशन' टिप्पणी पर रिवीजन याचिका खारिज, कोर्ट ने कहा- विवादित बयान मात्र से अपराध नहीं बनता

कंगना रनौत को आगरा कोर्ट से राहत

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा जिला अदालत ने अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत को 'गटर जनरेशन' टिप्पणी मामले में राहत दी है। छात्र-छात्राओं के प्रति कथित अमर्यादित टिप्पणी को लेकर दाखिल रिवीजन याचिका को जिला जज संजय कुमार मलिक ने सोमवार को खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि सार्वजनिक विषयों पर की गई कठोर, विवादास्पद या अमर्यादित टिप्पणी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के दायरे में आती है। इससे राजनीतिक और सामाजिक असहमति हो सकती है, लेकिन केवल इस आधार पर इसे आपराधिक कृत्य नहीं माना जा सकता। अदालत ने परिवादी की ओर से पेश दस्तावेजों का हवाला देते हुए कहा कि उनके बेटे ध्रुव शर्मा के हाईस्कूल प्रमाण पत्र में जन्मतिथि 31 अक्टूबर 2009 दर्ज है। इस हिसाब से 27 जुलाई 2026 को कंगना रनौत की टिप्पणी के समय वह नाबालिग था। कोर्ट ने कहा कि परिवादी के बेटे के नीट परीक्षा में शामिल होने या नीट अभ्यर्थियों के संबंध में की गई टिप्पणी से उसकी भावनाएं आहत होने का आधार नहीं बनता। आदेश में यह भी कहा गया कि परिवादी ने ऐसा कोई दावा नहीं किया कि टिप्पणी के समय वह या उनका बेटा मौके पर मौजूद थे। टिप्पणी वहां उपस्थित छात्रों के संदर्भ में की गई थी।

परिवादी बोले- फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट जाएंगे

राजीव गांधी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष और वरिष्ठ अधिवक्ता रमाशंकर शर्मा ने अदालत के फैसले पर असहमति जताई है। उन्होंने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि कानून दो तरह के मापदंड अपना रहा है। उन्होंने राहुल गांधी, अरविंद केजरीवाल और अन्य विपक्षी नेताओं के बयानों का उदाहरण देते हुए कहा कि कई मामलों में ऐसे लोगों ने भी परिवाद या एफआईआर दर्ज कराई, जो सीधे तौर पर पीड़ित नहीं थे। शर्मा ने राहुल गांधी और बिहार के सांसद पप्पू यादव की ओर से संसद के बाहर चंदा चोरी के मुद्दे पर किए गए प्रदर्शन का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस मामले में बनारस में भी परिवाद दर्ज कराया गया था, जबकि परिवादी सीधे तौर पर प्रभावित नहीं था।

बीएनएस की दो धाराओं का दिया था हवाला

रमाशंकर शर्मा के मुताबिक, रिवीजन में भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 152 और 356 का हवाला दिया गया था। धारा 152 राष्ट्रीय एकता और अखंडता को नुकसान पहुंचाने वाले कृत्यों से संबंधित है, जबकि धारा 356 मानहानि से जुड़ी है।
उन्होंने आरोप लगाया कि अदालत ने उनके प्रस्तुत कानूनी प्रावधानों और न्यायिक निर्णयों पर अपेक्षित विचार नहीं किया। शर्मा ने कहा कि वह जल्द ही फैसले के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल करेंगे। उन्होंने कहा कि यह मामला देश के छात्र-छात्राओं और उनके अभिभावकों के सम्मान से जुड़ा है। अदालत ने इन्हीं आधारों पर रिवीजन खारिज कर दिया और मामले को प्रकीर्ण वाद के रूप में दर्ज किया।

जिला जज ने आदेश में कहा कि सामान्य तौर पर किसी अपराध के संबंध में कानून को गतिमान करने का अधिकार किसी को भी हो सकता है। हालांकि, कुछ मामलों में कानून के तहत परिवाद दाखिल करने के लिए व्यथित व्यक्ति होना या शासकीय स्वीकृति जरूरी होती है। इन शर्तों को पूरा किए बिना परिवाद पोषणीय नहीं माना जा सकता। अदालत ने रिवीजन को प्रारंभिक स्तर पर ही खारिज कर दिया।

बाथटब में मिली इंजीनियर की लाश

ऋषिकेश घूमकर लौटे, होटल में लिया था कमरा

तमसा संकेत, एजेंसी

गुरुग्राम। गुरुग्राम के सेक्टर-53 स्थित एक होटल में यूके से भारत लौटे इंजीनियर का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। वह हाल ही में भारत आए थे और उत्तराखंड के ऋषिकेश में घूमने के बाद सोमवार को गुरुग्राम पहुंचे। देर रात होटल के कमरे में बने जकूजी (बाथटब) में वह अचेत अवस्था में मिले। डॉक्टर ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। मृतक की पहचान प्रांजिल पाठक (35) के रूप में हुई है। वह मूल रूप से उत्तर प्रदेश के आगरा की ओल्ड ईदगाह कॉलोनी के रहने वाले थे और यूनाइटेड किंगडम (UK) की एक मल्टीनेशनल कंपनी में इंजीनियर थे। वह मैनचेस्टर में रहते थे। शुरुआती जांच में सामने आया है कि प्रांजिल हाल ही में यूके से भारत आए थे। सोमवार को वे उत्तराखंड के ऋषिकेश में छुट्टियां बिताकर लौटे थे। इसके बाद दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर अपने एक दोस्त को छोड़ने गए। दोस्त को फ्लाइट बोर्ड कराने के बाद उन्होंने नाइट स्टे के लिए सेक्टर-53 स्थित ओरसम होटल में कमरा नंबर 302 बुक किया था। रात 8 होटल स्टाफ को किसी अनहोनी का अंदेशा हुआ तो कमरे की जांच की गई।

पृष्ठ 01 का शेष...

एक जगह...

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दिल्ली पुलिस की ओर से कहा कि कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के लिए सिर्फ एक दिन की अनुमति दी गई थी, लेकिन प्रदर्शनकारी 17 दिन तक वहां बैठे रहे। सुनवाई में सीनियर एडवोकेट मेनका गुरुस्वामी ने करीब 7 हजार लोगों को हिरासत में लिए जाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने सवाल किया कि क्या लोकतंत्र के रूप में हम इससे प्रभावित नहीं हो रहे हैं? इस पर तुषार मेहता ने कहा कि इन लोगों को हिरासत में नहीं लिया गया था, बल्कि प्रदर्शन स्थल से हटाया गया था। सीनियर एडवोकेट प्रशांत भूषण ने कहा कि सरकार को बताना चाहिए कि प्रदर्शनकारियों पर किस तरह की निगरानी की जा रही है और इसके लिए कौन-सा कानूनी प्रावधान है। इस पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि प्रदर्शन के दौरान केवल CCTV से निगरानी की गई। उन्होंने कहा कि सैकड़ों सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर भी प्रदर्शन की लाइव रिकॉर्डिंग कर रहे थे, लेकिन सरकारी CCTV पर सवाल उठाए जा रहे हैं। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से सीनियर एडवोकेट मेनका गुरुस्वामी ने हिरासत और पुलिस कार्रवाई का मुद्दा उठाया। वहीं, व्यापारिक संगठनों की ओर से मुकुल रोहतगी, संजय पोद्दार और सचिन पुरी पेश हुए। उन्होंने प्रदर्शन के कारण कारोबारियों को हुए नुकसान का मुद्दा उठाया। सीनियर एडवोकेट प्रशांत भूषण ने प्रदर्शनकारियों की निगरानी का मुद्दा उठाया। इसके अलावा, गोपाल शंकरनारायणन ने प्रदर्शन और पुलिस कार्रवाई से जुड़ी याचिकाओं पर पक्ष रखा, जबकि इंदिरा जयसिंह ने महिला पत्रकारों के संगठन नेटवर्क ऑफ विमेन इन इंडिया की ओर से पैरवी की।

विधानसभा चुनाव...

उस वक्त वे कन्नौज से सांसद थे। मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा देकर विधान परिषद की सदस्यता ली थी। अखिलेश ने कहा, भाजपा पहले अपने 100 विधायकों का टिकट काटने वाली थी, लेकिन MLC चुनाव में हारने के बाद अब 200 विधायकों का टिकट काटने जा रही है। सबसे पहले काशी के मंत्रियों के टिकट कटेंगे। अखिलेश काशी की शिक्षक और स्नातक, दोनों एमएलसी सीटों पर सपा की जीत के बाद पहली बार वाराणसी पहुंचे थे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी तंज कसा। कहा, "काशी को क्योटो तो नहीं बना पाए, लेकिन कम से कम क्योटो की तस्वीर ही लगा देते। क्योटो की तस्वीर क्यों नहीं लगाई?" अखिलेश ने कहा, "बाबा विश्वनाथ जी ने आशुतोष सिन्हा को जिताया, लाल बिहारी को जिताया। बाबा विश्वनाथ ने दोहरा आशीर्वाद दिया।" उन्होंने यह भी दोहराया कि समाजवादी पार्टी 80 की 80 सीटें भी EVM से जीत जाए, तब भी EVM के खिलाफ हैं। अखिलेश ने बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री के भगवान श्रीकृष्ण और भगवान श्रीराम को लेकर दिए गए बयानों पर भाजपा को घेरा। उन्होंने कहा, इन नकली सनातनियों को रोका जाए। भगवान श्रीकृष्ण के बारे में ये क्या कह रहे हैं? इससे देश ही नहीं, पूरी दुनिया के लोग दुखी हैं। अब तो प्रभु श्रीराम के बारे में भी क्या-क्या कह रहे हैं।" अखिलेश एयरपोर्ट से सीरगोवर्धनपुर गांव पहुंचे। यहां उन्होंने पूर्व जिला उपाध्यक्ष राजेश कुमार यादव उर्फ नत्थू के आकस्मिक निधन पर उनके परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की। अखिलेश यादव युवजन सभा के प्रदेश सचिव अजय फौजी के घर पहुंचे। यहां उन्होंने लंबे समय से बीमार चल रहे उनके पिता और सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष सतीश फौजी का हालचाल लिया। पूर्व मुख्यमंत्री सुंदरपुर स्थित लता कुंज में पूर्व IRS अधिकारी राजेश सिंह के आवास भी पहुंचे। यहां पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक में MLC चुनाव के नतीजों, संगठन की स्थिति और आगे की रणनीति पर चर्चा की। बैठक में PDA की राजनीतिक गतिविधियों को लेकर भी बातचीत हुई। अखिलेश यादव के वाराणसी दौरे पर भाजपा ने हमला बोला है। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि तुष्टीकरण की राजनीति करने वाले अखिलेश आज सनातन की बात कर रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि अखिलेश काशी विश्वनाथ धाम में दर्शन करने क्यों नहीं गए। साथ ही उन्हें कृष्ण जन्मभूमि पर अपना रुख स्पष्ट करने की चुनौती दी। वहीं, भाजपा प्रवक्ता अंकुश त्रिपाठी ने कहा- अखिलेश को सबसे पहले बनारस के लोगों से माफी मांगनी चाहिए। सपा सरकार ने वाराणसी सीरियल ब्लास्ट के आरोपियों के मुकदमे वापस लेने की पैरवी की थी। उन्होंने अखिलेश पर सनातन विरोधी होने का आरोप भी लगाया। भाजपा नेताओं ने कहा कि योगी सरकार में काशी, मथुरा, अयोध्या और विंध्याचल जैसे धार्मिक स्थलों का विकास हो रहा है। यहां पर्यटकों की संख्या बढ़ रही है।

तूफान मुरासु का...

आंध्र प्रदेश के तटीय शहर काकीनाड़ा में भारी बारिश से निचले इलाके डूब गए हैं। सड़कों पर पानी भरा हुआ है। तूफान के असर से आंध्र प्रदेश के ओंगोल के कई इलाकों में भारी बारिश से बाढ़ जैसे हालात हैं। आंध्र प्रदेश के प्रकाशम जिले में काफी नुकसान हुआ है। निचले इलाकों में पानी भर गया है। तस्वीरों में सड़कों पर गाड़ियां पलटी हुई दिख रही हैं। तमिलनाडु के कुड्डालोर में मंगलवार को स्कूल बंद कर दिए गए हैं। साइक्लोन मुरासु की वजह से भारी बारिश हुई है। कुड्डालोर डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर ने ये ऑर्डर तब जारी किए जब जिले के कई हिस्सों में आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और लगातार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त है। IMD की निदेशक मनोरमा मोहंती ने कहा, गहरा दबाव उत्तर-उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ने और दोपहर तक धीरे-धीरे चक्रवाती तूफान मुरासु कमजोर पड़ने की संभावना है। इसकी वजह से 48 घंटों में ओडिशा में हल्की से मध्यम बारिश होगी। विशाखापत्तनम मौसम विभाग के निदेशक पीएलएन मूर्ति के मुताबिक, चक्रवाती तूफान मुरासु मंगलवार सुबह 3:30 से 5:30 बजे के बीच ओंगोल के पास आंध्र प्रदेश के तट को पार कर गया। फिलहाल यह दक्षिण आंध्र प्रदेश के तट के पास गंभीर चक्रवाती तूफान के रूप में मौजूद है। अगले 12 घंटे में इसके उत्तर-उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ने और मंगलवार दोपहर तक कमजोर होकर चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना है। मौसम विभाग ने राज्य के 3 जिलों में रेड अलर्ट और बाकी जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मछुआरों को अगले दो दिन तक समुद्र में नहीं जाने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग ने दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश में अगले 12 घंटे तक भारी बारिश जारी रहने का अलर्ट दिया है। सोमवार सुबह 8:30 बजे से मंगलवार सुबह 8:30 बजे तक बापटला में सबसे ज्यादा 222.4 मिमी बारिश दर्ज की गई।

महिलाओं के आर्थिक...

योगी ने कहा, 'दीपावली और होली पर हमने वादा किया था कि हम बहनों को मुफ्त सिलेंडर देंगे। दीपावली पर आपके 648.55 रुपए का भुगतान राज्य सरकार ने सीधे गैस कंपनियों को कर दिया है। अब आपको खाली सिलेंडर लेकर गैस एजेंसी जाना है, वहां कोई भी आपसे एक रुपया नहीं मांगेगा। 3 करोड़ किसानों के लिए पैकेजः अल-नीनो और बिन-मौसम बारिश/ओलावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान का जिक्र करते हुए सीएम ने कहा कि सरकार नुकसान का तात्कालिक मुआवजा दे रही है।

मोदी जी देश विरोधी...

शायद 45 डिफेमेशन केस मेरे ऊपर हैं। मगर इस डिबेट मामले पर, फॉरेन कनेक्शन पर आप डिफमेशन नहीं लगा रहे हो। लगाइए ना, वहां भी डिस्कस करेंगे, खुल के। ये सब डिस्कस करते हैं, आइए। हैप्पी दिवाली, मोदी जी।' गृह मंत्री अशाह ने छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर में कहा कि राहुल गांधी ने नकली संसद बनाकर असली संसद का मखौल उड़ाया। चर्चा का नाटक किया। हाथ में संविधान लेकर घूमने से संविधान का समर्थन नहीं होगा। आचरण संवैधानिक होना चाहिए।

वनडे वर्ल्ड कप के लिए सीटें 34 हजार, आवेदन आए 84 लाख, जोहान्सबर्ग में मुकाबला

भारत-पाकिस्तान मैच के टिकटों की मांग फाइनल से भी ज्यादा

उत्साह

आईसीसी को अब तक टूर्नामेंट के लिए 193 देशों से 12 करोड़ से ज्यादा टिकट आवेदन मिले हैं। साउथ अफ्रीका में होने वाले 41 मैचों के लिए ही 10.5 करोड़ से ज्यादा आवेदन मिले हैं। इनमें मेजबान टीम के मैचों के लिए करीब 2.6 करोड़ आवेदन आए हैं।

नई दिल्ली, एजेंसी

वनडे वर्ल्ड कप 2027 में भारत और पाकिस्तान के मुकाबले को लेकर फैंस में जबरदस्त उत्साह है। 10 अक्टूबर के इस मैच के टिकटों के लिए 84 लाख से ज्यादा रजिस्ट्रेशन हुए हैं। जोहान्सबर्ग के स्टेडियम की दर्शक क्षमता सिर्फ 34 हजार है। यानी उपलब्ध सीटों के मुकाबले करीब 247 गुना ज्यादा आवेदन आए हैं। टिकटों की मांग के मामले में भारत-पाकिस्तान मुकाबला पहले नंबर पर है। ICC के मुताबिक, भारत-पाकिस्तान मैच के लिए कुल 83,97,294 टिकट आवेदन मिले हैं। 21 नवंबर को इसी स्टेडियम में होने वाले वर्ल्ड कप फाइनल के लिए 79,00,944 रजिस्ट्रेशन हुए हैं।

वनडे वर्ल्ड कप 24 साल बाद अफ्रीकी धरती पर लौटेगा। साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया संयुक्त रूप से इसकी मेजबानी करेंगे। टूर्नामेंट में 14 टीमें हिस्सा लेंगी और 12 वेन्यू पर कुल 57 मैच खेले जाएंगे। वर्ल्ड कप के लिए 12 वेन्यू में से 8 साउथ अफ्रीका, 3 जिम्बाब्वे और 1 नामीबिया में है। नामीबिया पहली बार मेंस के सीनियर वर्ल्ड कप के मैचों की मेजबानी करेगा। साउथ अफ्रीका और जिम्बाब्वे इससे पहले 2003 वर्ल्ड कप की मेजबानी कर चुके हैं। 2011 वनडे वर्ल्ड कपः भारत में

21 नवंबर तक टिकट के लिए रजिस्ट्रेशन होंगे

वर्ल्ड कप के टिकटों के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 21 नवंबर 2026 तक जारी रहेगी। इसमें पहले रजिस्ट्रेशन होगा और मांग ज्यादा होने पर कंप्यूटराइज्ड रैंडम लॉटरी से टिकट खरीदने के लिए आवेदकों का चयन किया जाएगा। यह पहले आओ-पहले पाओ वाला सिस्टम नहीं है।

सेमीफाइनल और फाइनल के टिकटों के लिए ICC ने पब्लिक बैलट सिस्टम अपनाया था। वेबसाइट पर भारी ट्रैफिक के कारण टिकट बिक्री में परेशानी आई थी। 2016 टी-20 वर्ल्ड कपः भारत के मैचों, सेमीफाइनल और फाइनल के टिकटों के लिए लॉटरी सिस्टम रखा गया था। सफल आवेदकों को टिकट खरीदने का मौका मिला था।

गिल चाहते थे न्यूजीलैंड दौरे पर पहले वनडे सीरीज हो

कप्तान बोले- वर्ल्ड कप की तैयारी के लिए पूरी टीम मिलती

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय कप्तान शुभमन गिल चाहते थे कि न्यूजीलैंड दौरे पर टी-20 सीरीज को वनडे और टेस्ट के बीच कराया जाता। ऐसे में भारत सभी 5 वनडे में अपनी मजबूत टीम उतार सकता था।

गिल ने ऑकलैंड में पहले वनडे से पहले कहा कि वनडे और टेस्ट दोनों सीरीज अहम हैं। लेकिन दोनों के बीच कम समय होने के कारण जसप्रीत बुमराह को पूरी वनडे सीरीज से आराम दिया गया है। वहीं, गिल समेत टेस्ट टीम के कई खिलाड़ी आखिरी 2 वनडे नहीं खेलेंगे। गिल ने कहा, अगर फैसला मेरे हाथ में होता और सभी खिलाड़ी फिट होते, तो मैं वर्ल्ड कप में खेलने वाले सभी खिलाड़ियों को पूरी वनडे सीरीज में मौका देना चाहता। अगर पहले वनडे, फिर टी-20 और उसके बाद टेस्ट सीरीज होती, तो हम पांचों वनडे में अपनी मजबूत टीम उतार सकते थे। गिल ने ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या की फिटनेस पर भी बात की। हार्दिक IPL 2026 के बाद से चोटों के कारण नहीं खेले हैं। उन्हें पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया-A के खिलाफ भारत-A की वनडे सीरीज भी खेलनी थी, लेकिन दोबारा परेशानी होने से वे बाहर हो गए।

गिल ने कहा, हार्दिक शानदार खिलाड़ी हैं। वे नई गेंद, मिडिल ओवर और डेथ ओवर में गेंदबाजी कर सकते हैं। उनकी बल्लेबाजी भी टीम के लिए अहम है। उम्मीद है कि वे जल्द फिट होकर डोमेस्टिक क्रिकेट खेलेंगे और फिर टीम में वापसी करेंगे।

ग्लेन मैक्सवेल ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया

टी-20 इंटरनेशनल में ऑस्ट्रेलिया के तीसरे टॉप स्कोरर

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल अब इंटरनेशनल क्रिकेट में नहीं खेलेंगे। 38 साल के मैक्सवेल ने टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास ले लिया है। वे जून 2025 में वनडे क्रिकेट को भी अलविदा कह चुके हैं। उन्होंने लिस्ट-A और फर्स्ट-क्लास क्रिकेट से भी संन्यास लिया है। हालांकि, वे मेलबर्न स्टार्स के लिए बिग बैश लीग खेलते रहेंगे। टीम के साथ उनका कॉन्ट्रैक्ट 2027-28 सीजन तक है। वे IPL में भी खेल सकते हैं।

मैक्सवेल ने आखिरी इंटरनेशनल मैच फरवरी 2026 में टी-20 वर्ल्ड कप में ओमान के खिलाफ खेला था। यह ऑस्ट्रेलिया का आखिरी ग्रुप मैच था। मैक्सवेल ने 2012 में पाकिस्तान के खिलाफ टी-20 इंटरनेशनल डेब्यू किया था। उन्होंने 130 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में 2,897 रन बनाए। वे इस फॉर्मेट में ऑस्ट्रेलिया के लिए तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उनके नाम 5 शतक दर्ज हैं। भारत के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के नाम भी टी-20 इंटरनेशनल में इतने ही शतक हैं।

उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 7 टेस्ट भी खेले। इसमें 339 रन बनाए। उनका इकलौता टेस्ट शतक 2017 में भारत के खिलाफ रांची में आया था। मैक्सवेल ने कहा कि उनके भविष्य को लेकर कुछ समय से बातचीत चल रही थी। 'द फाइनल वर्ड' पॉडकास्ट में उन्होंने बताया कि टी-20 वर्ल्ड कप से पहले और बाद में इस पर चर्चा हुई थी।

उन्होंने कहा, टीम मैनेजमेंट की ओर से कोई दबाव नहीं था। हमने वापसी का रास्ता खुला रखा था। कुछ सीरीज में टीम नए खिलाड़ियों को मौका देना चाहती थी। बांग्लादेश में ऐसा हुआ और खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया। इंग्लैंड के खिलाफ व्हाइट-बॉल दौरे में मेलबर्न में एक टी-20 मैच खेला जाएगा।

कोहली ने यहां 50 की औसत से 596 रन बनाए, रोहित को अब भी शतक का इंतजार

रोहित-विराट 6 साल बाद न्यूजीलैंड में साथ खेलेंगे

न्यूजीलैंड में ही नहीं, भारतीय वनडे क्रिकेट के इतिहास में भी रोहित और कोहली टॉप-3 हैं। भारत के लिए सबसे ज्यादा वनडे रन बनाने वाले बल्लेबाजों में सचिन तेंदुलकर 18,426 रन के साथ पहले नंबर पर हैं।

नई दिल्ली, एजेंसी

रोहित शर्मा और विराट कोहली फरवरी 2020 के बाद पहली बार न्यूजीलैंड की धरती पर साथ खेलेंगे। दोनों आखिरी बार 29 फरवरी 2020 को हैमिल्टन में तीसरे टी-20 इंटरनेशनल में उतरे थे। इसके बाद वे 4 नवंबर को पांच वनडे मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में एक साथ उतरेंगे।

टेस्ट और टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास लेने के बाद अब दोनों सिर्फ वनडे खेल रहे हैं। ऐसे में यह सीरीज 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए अपनी दावेदारी मजबूत करने का मौका है। यह दोनों का न्यूजीलैंड का आखिरी दौरा भी हो सकता है। न्यूजीलैंड में विराट कोहली की सबसे यादगार वनडे पारी 19 जनवरी 2014 को नेपियर में आई थी। उन्होंने 111 गेंदों पर 123 रन बनाए थे। न्यूजीलैंड की धरती पर यह उनका इकलौता वनडे शतक है। इसी दौरे पर उन्होंने हैमिल्टन में 65 गेंदों पर 78 और ऑकलैंड में 70 गेंदों पर 62 रन की पारियां भी खेली थीं।

न्यूजीलैंड में रोहित शर्मा का सबसे बड़ा वनडे स्कोर 87 रन है। उन्होंने 26 जनवरी 2019 को माउंट माउंगानुई में यह पारी खेली थी। शिखर धवन के साथ उन्होंने पहले विकेट के लिए 154 रन जोड़े। धवन ने 66 रन बनाए। इस साझेदारी की मदद से भारत ने 50 ओवर में 4 विकेट पर 324 रन बनाए और मुकाबला 90 रन से जीत लिया। रोहित को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उस समय विराट कोहली टीम के कप्तान थे। भारत ने यह सीरीज 4-1 से जीती थी। कोहली ने 317 वनडे में 55 शतक और 79 अर्धशतक लगाए हैं।

न्यूजीलैंड में कोहली का रिकॉर्ड रोहित से बेहतर

न्यूजीलैंड की पिचों पर तेज गेंदबाजों को हवा और उछाल से मदद मिलती है। गेंद स्विंग होने पर बल्लेबाजों के लिए उसे सही समय पर खेलना चुनौती बन जाता है। इन परिस्थितियों में विराट कोहली का रिकॉर्ड रोहित शर्मा से बेहतर रहा है। कोहली न्यूजीलैंड में 600 वनडे रन पूरे करने से सिर्फ 4 रन दूर हैं। उन्होंने वहां 13 वनडे में 596 रन बनाए हैं। उनका औसत 49.66 और स्ट्राइक रेट 91.41 है। इस दौरान उन्होंने एक शतक और 4 अर्धशतक लगाए हैं। रोहित ने न्यूजीलैंड में 14 वनडे में 437 रन बनाए हैं। उनका औसत 36.41 और स्ट्राइक रेट 72.95 है। उनके नाम 4 अर्धशतक हैं, लेकिन वे अब तक यहां वनडे शतक नहीं लगा सके हैं।

वर्ल्ड कप की जगह के लिए प्रदर्शन जरूरी

2027 वनडे वर्ल्ड कप साउथ अफ्रीका में खेला जाना है। रोहित और कोहली ने पहले ही साफ कर दिया है कि वे इस टूर्नामेंट में खेलेंगे। लेकिन टीम में जगह प्रदर्शन और चयनकर्ताओं के फैसले पर निर्भर करेगी। 2025-26 सीजन में दोनों ने घरेलू वनडे क्रिकेट भी खेला और विजय हजारे ट्रॉफी में हिस्सा लिया।

मनोरंजन

दीया मिर्जा का दिवाली वीडियो दोबारा अपलोड करें : हाईकोर्ट

बीएमसी ने भाजपा की आपत्ति के बाद पोस्ट हटाया था, ग्रीन पटाखों की अपील की थी

नई दिल्ली। बॉम्बे हाईकोर्ट ने बृहन्मुंबई महानगरपालिका यानी BMC को एक्ट्रेस दीया मिर्जा का दिवाली वीडियो दोबारा अपलोड करने का आदेश दिया है। इस वीडियो में दीया ने लोगों से ग्रीन पटाखे जलाने और सार्वजनिक सड़कों पर पटाखे न फोड़ने की अपील की थी।

BMC के आधिकारिक X हैंडल और दूसरे सोशल मीडिया अकाउंट पर दीया मिर्जा का वीडियो रविवार को पोस्ट किया गया था और उसी रात इसे हटा दिया गया। भाजपा नेताओं ने एक्ट्रेस के वीडियो पर आपत्ति जताई थी।

भाजपा मुंबई अध्यक्ष अमित साटम ने कहा था कि हमें त्योहार मनाने का तरीका किसी से सीखने की जरूरत नहीं है। उन्होंने पटाखों के खिलाफ अपील करने वालों को 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' का हिस्सा बताया। वीडियो हटाए जाने के बाद दीया ने सोशल मीडिया पर लिखा था- कोई पैसे नहीं लिए हैं। भलाई का जमाना ही नहीं रहा।

जस्टिस गिरीश कुलकर्णी और जस्टिस नीला गोखले की बेंच ने नेताओं की टिप्पणियों पर भी नाराजगी जताई। जस्टिस कुलकर्णी ने कहा- नेताओं ने कोर्ट के उस पुराने आदेश पर ध्यान दिए बिना टिप्पणी की, जिसमें सभी को जागरूकता अभियान में हिस्सा लेने की अनुमति दी गई थी। बेंच ने कहा- भारत धर्मनिरपेक्ष देश है और पर्यावरण से जुड़े मुद्दे को कोई दूसरा रंग नहीं दिया जाना चाहिए। दीया मिर्जा ने कोर्ट के निर्देशों के मुताबिक वायु प्रदूषण पर अच्छा मैसेज दिया था।

फिल्म का एक भी सीन लीक करने पर होगी कार्रवाई, हाईकोर्ट ने दिया आदेश

'रामायण' की एडवांस बुकिंग से कमाई 73 करोड़ के पार

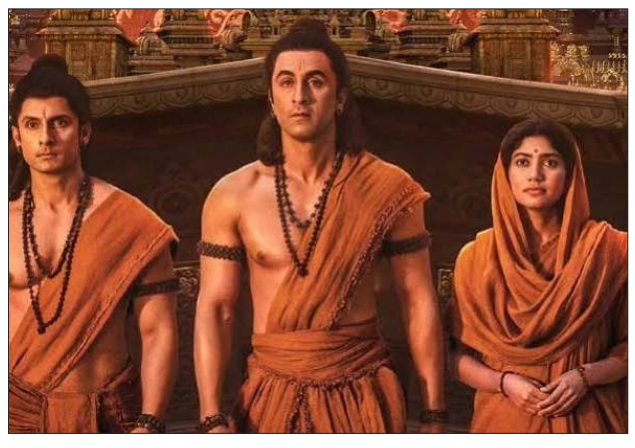

नई दिल्ली। बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को रणबीर कपूर स्टारर फिल्म 'रामायणः पार्ट 1' को अंतरिम कॉपीराइट सुरक्षा दी है। कोर्ट ने अज्ञात लोगों, संस्थाओं और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को फिल्म की बिना अनुमति रिकॉर्डिंग, होस्टिंग और स्ट्रीमिंग करने से रोक दिया है।

फिल्म 5 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। रिलीज से पहले ही इसकी एडवांस बुकिंग से करीब 73 करोड़ रुपए की कमाई हो चुकी है। यह आदेश गॉडपावर मीडिया प्राइवेट लिमिटेड की याचिका पर दिया गया। कंपनी ने फिल्म की स्क्रिप्ट, किरदारों, फुटेज,

गीतों और रिकॉर्डिंग को कॉपीराइट उल्लंघन से बचाने की मांग की थी।

कोर्ट के आदेश से फिल्म के पाइरेटेड लिंक और मिरर साइट्स को हटाने का रास्ता साफ हुआ है। इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को लिखित सूचना मिलने पर कार्रवाई करनी होगी।

गॉडपावर मीडिया ने आनंद एंड नाइक कानूनी फर्म के जरिए कोर्ट का रुख किया था। कंपनी को फिल्म के कॉपीराइट उल्लंघन की आशंका थी।

कंपनी ने बताया कि केवल आमंत्रित लोगों के लिए प्रीव्यू स्क्रीनिंग रखी गई थी। इस दौरान कड़ी गोपनीयता शर्तें लागू थीं। इसके बावजूद फिल्म के दो ट्रेलर चोरी-छिपे रिकॉर्ड कर डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर प्रसारित किए गए।

प्लेटफॉर्म्स ने कार्रवाई पर सहमति जताई

गूगल एलएलसी और दुनिया भर के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की ओर से पेश वकील ने कहा कि उन्हें अंतरिम राहत देने के आदेश पर कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि आपत्तिजनक लिंक की जानकारी मिलने पर वे तुरंत कार्रवाई करेंगे। जस्टिस माधव जामदार की बेंच ने आदेश में कहा, "प्रथम दृष्टया, वादी (याचिकाकर्ता) गॉडपावर को वास्तविक और ठोस आशंका है कि फिल्म या उसके हिस्सों को रिकॉर्ड कर विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर अपलोड, स्ट्रीम या जनता तक पहुंचाया जाएगा।"

लॉरेंस गैंग के हैरी बॉक्सर के नाम से आया फोन, जांच में आवाज फर्जी निकली

तुषार कपूर से धमकाकर मांगे पांच करोड़

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर तुषार कपूर को कथित तौर पर लॉरेंस गैंग के सदस्य हैरी बॉक्सर के नाम से फोन आया। फोन करने वाले ने 5 करोड़ रुपए मांगे हैं।

न्यूज एजेंसी IANS के मुताबिक, तुषार कपूर ने इसकी जानकारी मुंबई पुलिस को दी। इसके बाद जांच एंटी-एक्सटॉर्शन सेल और क्राइम ब्रांच को सौंप दी गई। क्राइम ब्रांच की टेक्निकल टीम ने धमकी भरे कॉल की ऑडियो रिकॉर्डिंग की जांच की। इसके बाद आवाज का मिलान हैरी बॉक्सर के आधिकारिक ऑडियो सैंपल से किया गया।

पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक, दोनों आवाजें आपस में मेल नहीं खातीं। इससे पुलिस को शक है कि यह फर्जी कॉल था। किसी ने गैंग का नाम लेकर डर पैदा करने की कोशिश की।

अब पुलिस उस व्यक्ति की तलाश कर रही है, जिसने धमकी भरी ऑडियो रिकॉर्डिंग भेजी थी।

गौरतलब है कि तुषार कपूर फेमस एक्टर जितेंद्र और प्रोड्यूसर शोभा कपूर के बेटे हैं। उनकी बड़ी बहन एकता कपूर टीवी और फिल्म प्रोड्यूसर हैं।

तुषार ने साल 2001 में फिल्म 'मुझे कुछ कहना है' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म में उनके साथ करीना कपूर नजर आई थीं। फिल्म हिट रही और तुषार को बेस्ट मेल डेब्यू का फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला। इसके बाद उन्होंने 'क्या दिल ने कहा', 'जीना सिर्फ मेरे लिए' और 'ये दिल' जैसी फिल्मों में काम किया। हालांकि, उन्हें सबसे ज्यादा पहचान कॉमेडी फिल्मों से मिली। 'क्या कूल हैं हम', 'गोलमाल', 'गोलमाल रिटर्न्स' और 'गोलमाल 3' उनकी चर्चित फिल्में हैं। फिल्म 'शोर इन द सिटी' में उनके अभिनय को भी सराहना मिली।

तुषार कपूर आखिरी बार अक्षय कुमार स्टारर फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में नजर आए थे।

हैरी बॉक्सर पर रणवीर को धमकी देने का आरोप

गौरतलब है कि लॉरेंस गैंग के गुर्गे हैरी बॉक्सर पर बॉलीवुड और फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े कई लोगों को धमकी देने के आरोप हैं। इनमें सबसे प्रमुख नाम एक्टर रणवीर सिंह का है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, हैरी ने रणवीर के मैनेजर को वॉइस नोट भेजकर 10 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी थी। रकम नहीं देने पर रणवीर और उनके स्टाफ को जान से मारने की धमकी दी गई थी। फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के घर के बाहर हुई फायरिंग की घटना के पीछे भी हैरी बॉक्सर और लॉरेंस गैंग का हाथ बताया गया था। इसकी जिम्मेदारी उन्होंने एक वॉइस नोट के जरिए ली थी। मशहूर पंजाबी सिंगर गुरु रंधावा को भी हैरी बॉक्सर ने धमकी दी थी। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक कथित ऑडियो के अनुसार, सलमान खान से नजदीकियों के कारण गुरु रंधावा के दिल्ली स्थित एक जिम पर फायरिंग करवाई गई थी। उन्हें आगे के लिए चेतावनी भी दी गई थी।

इंदौर में दिलजीत के कॉन्सर्ट में बम धमाके की धमकी

इंदौर, एजेंसी

मशहूर पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ के 15 नवंबर को इंदौर में होने वाले कॉन्सर्ट में बम धमाके की धमकी मिली है। 'खालिस्तानी नेशनल आर्मी' के नाम से भेजे गए ई-मेल में शो के दौरान IED ब्लास्ट की चेतावनी दी गई है।

इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव के दफ्तर को उड़ाने की बात ई मेल में हैं। साथ ही तीन स्कूलों को ई-मेल भेजकर अभिभावकों से बच्चों को कॉन्सर्ट में नहीं भेजने को कहा गया है।

धमकी भरा ई-मेल 'खालिस्तानी नेशनल आर्मी' के नाम से भेजा गया है। इसमें भेजने वालों के नाम इंजीनियर गुरानाख सिंह, रुखन शाहवाला, डॉ. गुरनिरवेर सिंह और बब्बर खालसा (परमार-कनाड़) के प्रोफेसर गुरकाल सिंह पीएचडी लिखे हैं। ई मेल में अमिताभ बच्चन के मुंबई स्थित बंगले 'जलसा' को भी उड़ाने की धमकी दी गई है।

तीन स्कूल, मेयर ऑफिस को भी 'खालिस्तानी आर्मी' नाम से ई-मेल भेजा अमिताभ का बंगला भी टारगेट

एडिशनल DCP राजेश दंडोतिया के मुताबिक, इंदौर के तीन स्कूलों को सोमवार सुबह धमकी भरे ई-मेल मिले। इनमें अभिभावकों को 15 नवंबर के कार्यक्रम में अपने बच्चों को न भेजने की चेतावनी दी गई है।

मेल में कॉन्सर्ट में बम धमाके करने की बात कही गई है। एहतियातन पुलिस ने स्कूलों के नाम बताने से इनकार किया है।

अक्टूबर में सबसे ज्यादा पर्यटक पहुंचे

नेपाल घूमने जाने में भारतीय पीछे छूटे, अमेरिका नंबर-1

गिरावट

काठमांडू, एजेंसी

लंबे समय से नेपाल में सबसे ज्यादा विदेशी पर्यटक भारत से पहुंचते रहे हैं, लेकिन अक्टूबर 2026 में अमेरिका ने भारत को पीछे छोड़ दिया। नेपाल पर्यटन बोर्ड के एक अधिकारी ने काठमांडू पोस्ट को बताया कि नेपाल के इतिहास में पहली बार अमेरिका सबसे ज्यादा पर्यटक भेजने वाला देश बना है।

नेपाल पर्यटन बोर्ड के मुताबिक, अक्टूबर में अमेरिका से 17,437 पर्यटक नेपाल पहुंचे। वहीं, भारत से 12,097 पर्यटक आए। पिछले साल

अक्टूबर में 17,298 भारतीय पर्यटक नेपाल पहुंचे थे। यानी इस बार भारत से आने वाले पर्यटकों की संख्या में करीब 30% की गिरावट आई है। चीन से 11,695 पर्यटक पहुंचे और वह तीसरे स्थान पर रहा। नेपाल में भारतीय पर्यटकों की संख्या घटने की एक बड़ी वजह अगस्त में आई बाढ़ और भूस्खलन को माना जा रहा है। इसकी वजह से कई सड़कें और यात्रा मार्ग टूट गए, जिससे आवाजाही प्रभावित हुई। खासकर कैलाश मानसरोवर जाने वाले भारतीय तीर्थयात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। थापा के मुताबिक, बाढ़ से लैंगटांग जाने का रास्ता प्रभावित हुआ था। वहां जाने की योजना बना रहे पर्यटकों को कंपनी ने अन्नपूर्णा सर्किट और एवरेस्ट बेस कैंप जैसे दूसरे ट्रेकिंग मार्गों के विकल्प दिए। इसके अलावा, अमेरिका में रहने वाले नेपाली मूल के लोग भी नेपाल पहुंच रहे हैं। दशैं और तिहार जैसे त्योहारों पर वे अपने परिवारों से मिलने आते हैं। इससे नेपाल आने वाले पर्यटकों की संख्या बढ़ती है। इसके बाद पर्यटकों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ी। साल 2024 में

भारतीयों की संख्या में 30% गिरावट

> नेपाल पर्यटन बोर्ड के मुताबिक, इस साल अक्टूबर में 1.32 लाख से ज्यादा विदेशी पर्यटक नेपाल पहुंचे। यह पिछले साल के मुकाबले 3.4% ज्यादा है। हालांकि, भारत से आने वाले पर्यटकों की संख्या में करीब 30% की गिरावट दर्ज की गई।

इस साल अब तक करीब 10 लाख विदेशी पर्यटक पहुंचे

नेपाल में जनवरी से अक्टूबर 2026 के बीच कुल 9,98,734 विदेशी पर्यटक पहुंचे। यह पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 5.83% ज्यादा है। अक्टूबर में 1.32 लाख से ज्यादा पर्यटकों का पहुंचना नेपाल के पर्यटन कारोबार के लिए अच्छा संकेत है। कोरोना महामारी से पहले 2019 नेपाल के पर्यटन के लिए सबसे अच्छा साल रहा था। उस साल 11,97,191 विदेशी पर्यटक नेपाल पहुंचे थे। महामारी के कारण 2020 और उसके बाद के वर्षों में पर्यटन कारोबार को बड़ा नुकसान हुआ।

नेपाल में 11,47,567 विदेशी पर्यटक पहुंचे, जबकि 2025 में यह संख्या बढ़कर 11,58,459 हो गई। इस साल अक्टूबर तक करीब 10 लाख पर्यटक नेपाल पहुंच चुके हैं। 2019 का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए नवंबर और दिसंबर में करीब 1.98 लाख और पर्यटकों का आना जरूरी है। नेपाल का पर्यटन उद्योग अब महामारी से पहले के रिकॉर्ड तक पहुंचने की कोशिश कर रहा है।

अमेरिकी पर्यटकों की संख्या बढ़ने की क्या वजह है?

नेपाल के टूर ऑपरेटरों के मुताबिक, अमेरिका से आने वाले पर्यटकों की संख्या बढ़ने की एक वजह ट्रेकिंग और पहाड़ों पर चढ़ाई में बढ़ती रुचि है। खासकर युवा पर्यटक नेपाल आ रहे हैं। नेपाल हाइकिंग टीम के प्रमुख गंगा बहादुर थापा ने बताया कि अगस्त की बाढ़ के बाद भी किसी अमेरिकी ग्राहक ने यात्रा रद्द नहीं की। कुछ ने यात्रा टाल दी, जबकि बाकी तय कार्यक्रम के मुताबिक नेपाल पहुंचे।

जंगलों की आग ने बिगाड़े 3 देशों के रिश्ते

इंडोनेशिया के जहरीले धुएं से मलेशिया-सिंगापुर परेशान

जकार्ता, एजेंसी

इंडोनेशिया के जंगलों में लगी आग का धुआं पड़ोसी देशों मलेशिया और सिंगापुर के लिए मुसीबत बन गया है। कालिमंतान, पापुआ और सुमात्रा के जंगलों से उठ रहा जहरीला धुआं हवा के साथ इन देशों तक पहुंच रहा है।

इससे लोगों को सांस लेने में परेशानी और सिरदर्द जैसी समस्याएं हो रही हैं। मलेशिया के कुछ इलाकों में स्कूल बंद करने पड़े हैं। धुआं कई हफ्तों से बना हुआ है, जिससे लोगों में नाराजगी बढ़ रही है।

मलेशिया में लोगों ने इंडोनेशिया के उत्पादों का बहिष्कार शुरू कर दिया है, जबकि सिंगापुर ने आग से जुड़ी कंपनियों की जांच शुरू की है।

इस बीच इंडोनेशिया ने सिंगापुर को गैस का निर्यात घटाने का ऐलान किया है। उसने इसकी वजह अपने

देश की ऊर्जा जरूरतों को बताया है।

इंडोनेशिया में जंगलों में आग लगने की घटनाएं हर साल होती हैं। इसकी बड़ी वजह खेती और कारोबार के लिए जंगलों को साफ करना है। खासतौर पर पाम ऑयल की खेती के लिए बड़े इलाकों में जमीन तैयार की जाती है।

इसके लिए कई जगह जंगलों में आग लगाई जाती है। आग जमीन के नीचे मौजूद पीटलैंड तक फैल जाए तो इसे बुझाना और मुश्किल हो जाता है। पीटलैंड में मौजूद सूखे जैविक पदार्थ आग को लंबे समय तक सुलगाए रखते हैं।

सहारा रेगिस्तान में मिला गुलाबी पत्थर मंगल ग्रह का निकला

800 ग्राम के पत्थर में मिले पानी के निशान, 4.1 अरब साल पुरानी है

न्यूयॉर्क, एजेंसी

सहारा रेगिस्तान में 2022 में मिला करीब 800 ग्राम का गुलाबी रंग का पत्थर मंगल ग्रह का निकला है। नासा की मदद से हुई रिसर्च में इसकी पुष्टि हुई है।

जांच में पता चला कि यह चट्टान 4.1 अरब साल से भी ज्यादा पुरानी है। इसमें ऐसे खनिज मिले हैं, जो बताते हैं कि मंगल के शुरुआती दौर में उसकी चट्टानों के संपर्क में पानी आया था।

यह खोज मंगल के पुराने वातावरण को समझने में मदद कर सकती है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, उस समय मंगल आज की तरह ठंडा और सूखा नहीं था।

इस चट्टान को 'तेघाजा 001' नाम दिया गया है। यह माली के तेघाजा नमक मैदान में मिली थी।

शुरुआत में वैज्ञानिकों को यह पता नहीं था कि यह पत्थर कहां से आया है। इसकी पहचान करने के लिए वैज्ञानिकों ने इसमें मौजूद ऑक्सीजन के आइसोटोप की जांच की। आइसोटोप एक ही तत्व के अलग-अलग रूप होते हैं। अलग-अलग ग्रहों की चट्टानों में इनका अनुपात अलग हो सकता है। जांच में इस पत्थर के आइसोटोप मंगल की चट्टानों से मेल खाते मिले।

इसके बाद वैज्ञानिकों ने इसकी बनावट और खनिजों की जांच की। इसमें जिरकॉन नाम के छोटे क्रिस्टल मिले। इन क्रिस्टल की मदद से वैज्ञानिकों ने चट्टान की उम्र का पता लगाया।

चट्टान में मिले खनिज और उनकी बनावट बताते हैं कि मंगल पर कभी पानी मौजूद था। पानी के संपर्क में आने से चट्टान के कुछ खनिजों में बदलाव हुआ था।

यह जानकारी इसलिए अहम है, क्योंकि इससे वैज्ञानिक समझ सकते हैं कि शुरुआती मंगल का वातावरण कैसा था और वहां पानी की मौजूदगी कितनी थी। इससे यह जानने में भी मदद मिल सकती है कि समय के साथ मंगल पर पानी कैसे कम हुआ। हालांकि, पानी के संकेत मिलने का मतलब यह नहीं है कि मंगल पर कभी जीवन भी था। इसके लिए अभी और अध्ययन की जरूरत है।

14 भारतीय सवार थे, 13 को बचाया गया, पिछले महीने 30 जहाजों पर हमला हुआ

होर्मुज में भारतीय जहाज पर हमला, एक की मौत

ओमान, एजेंसी

होर्मुज स्ट्रेट में 2 नवंबर को एक भारतीय जहाज पर हमला हुआ। इसमें गुजरात के एक नाविक की मौत हो गई। जहाज पर सवार बाकी 13 भारतीयों को ओमान के कोस्ट गार्ड ने सुरक्षित बचा लिया। मृतक की पहचान गांधार नाहीम अजीज के रूप में हुई है।

जहाज का नाम MSV अल जुसुफी है। हमला कैसे हुआ और किसने किया इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। हमले के बाद भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाना बंद होना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय समुद्री रास्तों पर जहाजों की आवाजाही और कारोबार बिना किसी

रुकावट के जारी रहना चाहिए।

ब्रिटिश समुद्री सुरक्षा एजेंसी UKMTO के मुताबिक, इस साल अक्टूबर में होर्मुज स्ट्रेट और उसके आसपास जहाजों पर 30 से ज्यादा हमले हुए। ईरान-अमेरिका जंग शुरू होने के बाद एक महीने में हमलों की यह सबसे बड़ी संख्या थी।

पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच व्यापारिक जहाजों पर हमले की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी G20 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में यह मुद्दा उठाया था।

पहले भी भारतीय नाविकों वाले जहाज पर हमला हुआ था

होर्मुज स्ट्रेट में इससे पहले 29 अक्टूबर को भारतीय नाविकों वाले जहाज को निशाना बनाया गया था। 27 भारतीय क्रू सदस्यों वाले तेल टैंकर MT लुईस 1 पर हमला हुआ था। पनामा के झंडे वाले इस जहाज के पास एक छोटी नाव आई थी। उसमें सवार लोगों ने जहाज के बाहरी हिस्से पर दो विस्फोटक चिपका दिए थे और वहां से चले गए। कुछ देर बाद दोनों विस्फोटकों में धमाका हुआ। इससे जहाज के इंजन रूम में आग लग गई और इंजन कुछ समय के लिए बंद हो गया। हालांकि, क्रू ने आग पर काबू पा लिया। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने बताया था कि जहाज पर सवार सभी 27 भारतीय सुरक्षित थे। किसी को चोट नहीं आई। इस हमले के पीछे किसका हाथ था, इसकी जानकारी सामने नहीं आई।

होर्मुज में अब तक 122 जहाजों पर हमला

इंटरनेशनल मैरीटाइम ऑर्गनाइजेशन के मुताबिक, 28 फरवरी को अमेरिका-ईरान संघर्ष शुरू होने के बाद से 30 अक्टूबर तक फारस की खाड़ी, होर्मुज और ओमान की खाड़ी में 122 जहाजों पर हमला हुआ। होर्मुज दुनिया का एक अहम समुद्री रास्ता है। यहां से दुनिया का बड़ा हिस्सा तेल दूसरे देशों तक पहुंचता है। लगातार हो रहे हमलों से तेल की सप्लाई और दुनियाभर के कारोबार पर असर पड़ सकता है।

फास्ट न्यूज

फ्लोरिडा प्लेन क्रैश से 10 मिनट पहले को-पायलट ने ब्वॉयफ्रेंड को भेजा था आखिरी मैसेज

वाशिंगटन। फ्लोरिडा लियरजेट विमान हादसे में को-पायलट नथालिया गादेल्हा फिल्गुएरास समेत 9 लोगों की मौत हो गई थी। इस हादसे के बाद नथालिया की रेडियो कॉल रिकॉर्डिंग भी सामने आई। इस हादसे से चंद मिनट पहले को-पायलट नथालिया एयर ट्रैफिक कंट्रोल के साथ ही अपने परिजनों के साथ भी संपर्क में थीं।

सोना 594 बढ़कर 1.38 लाख पर पहुंचा

नई दिल्ली। सोने के दाम में आज यानी 3 नवंबर को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, आज 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 594 रुपए बढ़कर 1.38 लाख रुपए पहुंच गया है। हालांकि चांदी की कीमत आज कम हुई है। एक किलो चांदी 2,672 रुपए घटकर 1.77 लाख रुपए पर आ गई है। अक्टूबर में सोना 8,084 रुपए और चांदी 39,485 रुपए सस्ती हुई है। एक अक्टूबर 2026 को एक किलो चांदी के दाम 2.20 लाख रुपए और 10 ग्राम सोना 1.48 लाख रुपए पर थे।

'महाशक्तियों का अखाड़ा न बने पश्चिम एशिया'

नई दिल्ली। ईरान पर अमेरिका और इजरायल के संभावित नए हमलों की चर्चाओं के बीच चीन ने पश्चिम एशिया में तनाव कम करने के प्रयास तेज कर दिए हैं। रायटर के अनुसार, चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने सोमवार को पहली आधिकारिक यात्रा पर चीन पहुंचे ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक अल-सैद से मुलाकात के बाद कहा कि पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र को बड़ी ताकतों की प्रतिद्वंद्विता का अखाड़ा नहीं बनना चाहिए।

खैबर पख्तूनख्वा में पोलियो कर्मियों की सुरक्षा में तैनात दो पुलिसकर्मियों की हत्या

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में मंगलवार को अज्ञात बंदूकधारियों ने पोलियो टीकाकरण टीम की सुरक्षा में तैनात पुलिस दल पर हमला कर दिया। इस हमले में दो पुलिसकर्मियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य जवान गंभीर रूप से घायल हो गया।

जिला पुलिस अधिकारी (डीपीओ) रजा खान के अनुसार, पुलिस का एक दल याख डांड गांव की ओर जा रहा था ताकि वहां पोलियो ड्रॉप पिलाने वाली टीम को सुरक्षा दी जा सके। इसी दौरान मोहमंद जिले की पिंडियाली तहसील में अज्ञात हमलावरों ने पुलिस दल पर घात लगाकर अंधाधुंध गोलियां चला दीं। घायल जवान और मृतकों के शवों को घलनाई के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर हमलावरों की तलाश शुरू कर दी है। सुरक्षा बलों ने

> प्रांत में हुई एक अन्य घटना में, टांक जिले से अज्ञात हथियारबंद लोगों ने मंगलवार को चार पोलियो कार्यकर्ताओं का अपहरण कर लिया। स्थानीय पुलिस अधिकारी अब्दुल समद खान ने बताया कि बंदूकधारियों ने इन कार्यकर्ताओं को बंधक बनाया और किसी अज्ञात स्थान पर ले गए।

अगवा स्वास्थ्यकर्मियों को सुरक्षित छुड़ाने के लिए आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान शुरू किया है। फिलहाल किसी भी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, हालांकि पहले प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और उससे जुड़े गुट पोलियो टीमों को निशाना बनाते रहे हैं। यह हमला 27 जिलों में 48 लाख से अधिक बच्चों को पोलियो रोधी खुराक पिलाने के चार दिवसीय अभियान के पहले दिन हुआ। इस अभियान के लिए 20772 टीमें तैनात की गई हैं, जिनकी सुरक्षा में लगभग 30000 सुरक्षाकर्मी लगे हुए हैं।

दूसरी तिमाही में ब्याज से कमाई 15% बढ़ी, अनुमान से अच्छे रहे बैंक के नतीजे

एसबीआई का मुनाफा 14% बढ़कर 23,038 करोड़

> रिजल्ट के बाद एसबीआई का शेयर आज 1% चढ़कर 995 रुपए पर कारोबार कर रहा है। एक महीने में यह 4% और एक साल में 5% चढ़ा है। बीते 6 महीने में बैंक का शेयर 7% गिरा है। एसबीआई का मार्केट कैप 9.15 लाख करोड़ रुपए है।

मुंबई, एजेंसी

देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने जुलाई से सितंबर तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। बैंक को इस तिमाही में कुल 23,038 करोड़ का मुनाफा हुआ है, जो पिछले साल इसी समय के मुकाबले करीब 14% ज्यादा है। उस तिमाही में बैंक को 20,160 करोड़ का मुनाफा हुआ था।

बैंक की मुख्य कमाई लोगों को दिए गए कर्ज पर मिलने वाले ब्याज से होती है। इसे NII यानी नेट इंटरेस्ट इनकम कहते हैं। इस तिमाही में बैंक की नेट इंटरेस्ट इनकम बढ़कर 49,142 करोड़ पर पहुंच गई है। इसमें पिछले साल के मुकाबले करीब 15% की बढ़त दर्ज की गई है। पिछले साल यह करीब

42,847 करोड़ थी। 30 सितंबर 2026 तक बैंक की ओर दिया गया कुल लोन सालाना आधार पर 7.84% बढ़कर 52 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इसे बैंक की भाषा में ग्रॉस एडवांसेज कहा जाता है। वहीं बैंक में जमा कुल पैसा भी 12.27% बढ़कर 63 लाख करोड़ रुपए करोड़ हो गया। ये पैसा दो तरह से आता है। सेविंग और करेंट अकाउंट डिपॉजिट यानी CASA और फिक्स्ड डिपॉजिट।

सेविंग्स और करंट अकाउंट में जमा पैसा 8.13% बढ़ा। बैंक में जमा कुल पैसों में CASA का हिस्सा 38.3% रहा। जबकि फिक्स्ड डिपॉजिट (FD) में 14.26% की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

मोतीलाल ओसवालः ब्रोकरेज फर्म ने SBI बैंक का टारगेट 1,370 रखते हुए शेयर खरीदने की सलाह दी है।

डूबा हुआ पैसा कम हुआ, लोन वसूली तेज

बैंक के ग्राहकों के दिए कर्ज की स्थिति यानी एसेट क्वालिटी भी बेहतर हुई है। यानी लोगों को दिया गया पैसा समय पर वापस लौट रहा है और बैंक का डूबा हुआ पैसा कम हुआ है। बैंक का वास्तविक फंसा हुआ कर्ज यानी नेट NPA अनुपात घटकर मात्र 0.36% रह गया है, जो इससे ठीक पिछली तिमाही में 0.38% और पिछले साल की समान तिमाही में 0.42% था।

ICICI सिक्योरिटीज : बैंक की मजबूत रिकवरी और एसेट क्वालिटी को देखते हुए 1,300 का टारगेट प्राइस दिया है।

एक्सिस डायरेक्टः बैंक की क्रेडिट ग्रोथ और बेहतर मार्जिन के दम पर शेयर के लिए 1,280 का टारगेट तय किया है।

घोषणा : भारत में एपल की रिकॉर्ड कमाई, एपल पे भी किया लॉन्च, भारत में इस ग्रोथ का सबसे बड़ा कारण आईफोन का प्रदर्शन रहा

देश में आईफोन और मैक की डिमांड ऑल-टाइम हाई : सीईओ जॉन टर्नस

मुकाबला

दुनिया भर में 2.5 अरब एपल डिवाइसेस एक्टिव

नई दिल्ली, एजेंसी

ग्लोबल स्मार्टफोन मार्केट में मंदी और सप्लाई की चुनौतियों के बावजूद एपल ने सितंबर तिमाही में भारत में अब तक का सबसे ज्यादा रेवेन्यू हासिल किया है। कंपनी के CEO जॉन टर्नस ने अर्निंग्स कॉल में इसकी जानकारी दी। हालांकि उन्होंने ये नहीं बताया कि रेवेन्यू कितना रहा है। लेकिन ग्लोबल रेवेन्यू बढ़कर

114.5 अरब डॉलर यानी करीब 10.80 लाख करोड़ रुपए हो गया। ये पिछले साल की इसी तिमाही के 102.5 अरब डॉलर के मुकाबले लगभग 12% ज्यादा है।

वहीं, अगर पूरे साल की कुल कमाई की बात करें तो एपल ने इस साल रिकॉर्ड तोड़ 479 अरब डॉलर यानी करीब 45 लाख करोड़ का रेवेन्यू हासिल किया है, जो पिछले साल 416 अरब डॉलर था। दुनियाभर में एपल का एक्टिव इंस्टॉल्ड बेस 2.5 अरल से ज्यादा डिवाइसेस के रिकॉर्ड ऑल-टाइम हाई स्तर पर पहुंच गया है। कंपनी के आंकड़ों के अनुसार, इस दौरान आईपैड और एप्पल वॉच खरीदने वाले 50% से ज्यादा ग्राहक ऐसे रहे जिन्होंने पहली बार ये प्रोडक्ट्स खरीदे हैं। यह यूजर बेस एपल के सर्विसेज बिजनेस और डिजिटल सब्सक्रिप्शन को तेजी से बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रहा है।

आईफोन अपग्रेड की वजह से भारत में रिकॉर्ड रेवेन्यू

भारत में इस ग्रोथ का सबसे बड़ा कारण आईफोन का प्रदर्शन रहा। खास तौर पर उन यूजर्स की संख्या बहुत ज्यादा रही जिन्होंने अपने पुराने आईफोन को नए मॉडल से अपग्रेड किया। इसके अलावा मैक कंप्यूटर्स और सर्विसेज बिजनेस ने भी भारत में ग्रोथ को मजबूती दी। टर्नस ने भारत को कंपनी के ग्लोबल बिजनेस के लिए एक अहम ग्रोथ इंजन बताया है।

> सीईओ जॉन टर्नस ने अर्निंग्स कॉल के दौरान ये भी बताया कि कंपनी ने एक्सिस बैंक के साथ मिलकर भारत में एपल पे को लॉन्च कर दिया है। इसके जरिए भारतीय आईफोन यूजर्स अब ज्यादा सुरक्षित और सीमलेस तरीके से डिजिटल पेमेंट्स कर सकेंगे। एपल पे दुनिया के 90 से ज्यादा देशों में लाइव है।

माउंट एवरेस्ट के पास लैंडिंग के दौरान आपस में टकराए दो हेलीकॉप्टर

काठमांडू। नेपाल में आज मंगलवार सुबह बड़ा हादसा हो गया है। सोलुखुम्बु हेलीपैड पर दो हेलीकॉप्टरों के बीच टक्कर हो गई। लैंडिंग के दौरान दो हेलीकॉप्टरों के आपस में टकरा जाने से एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। नेपाल पुलिस की शुरुआती रिपोर्ट के मुताबिक, यह हादसा सुबह करीब 8:11 बजे हुआ, जब 'फिशटेल एयर' और 'डायनेस्टी एयर' के हेलीकॉप्टर लैंडिंग के दौरान आपस में टकरा गए। पुलिस इंस्पेक्टर मौसम तमांग ने बताया कि मृतक की पहचान वसंत कुमार बालारामरामाडु के रूप में हुई है, जो एक भारतीय नागरिक थे और फिशटेल एयर के हेलीकॉप्टर में सवार थे। उसी हेलीकॉप्टर में सवार भारतीय मूल के न्यूजीलैंड के नागरिक शैलेश कृष्ण पटेल भी इस टक्कर में घायल हो गए। तमांग ने बताया कि उन्हें प्रभु हेलीकॉप्टर के जरिए काठमांडू के मेडिसिटी अस्पताल ले जाया गया।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676